● वर्ष-3
● अंक-162
रायपुर, गुरुवार
15 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› सोने से पहले खा लें ये 5 फल...

धर्मांतरण रोकने बनेगा कानून: बृजमोहन

- छत्तीसगढ़ में भारत भवन
- पांच शक्ति पीठ की परियोजना
- आत्मानंद स्कूल को भ्रष्टाचार का गढ़ बना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अवैध धर्मांतरण को रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा. इसकी घोषणा सदन में शिक्षा और धार्मिक न्यास मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने की है. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की डेमोग्राफी को बर्बाद करने के लिए बहुत सारी शक्तियां काम कर रही है. उसे रोकने के लिए यह कानून लाया जा रहा है. लीगल धर्मांतरण के अतिरिक्त अवैध तरीके से धर्मांतरण को रोकने के लिए यह कानून लाया जा रहा है. इसके साथ ही उन्होंने अपने विभागों के अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब दिया.

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने अपने विभागों के अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि हम पांच शक्ति पीठ की परियोजना लाने वाले हैं. हम फिर से राजिम कुंभ करवाने वाले हैं. देश में पहली बार हमने राजिम कुंभ कल्प की शुरुआत की. लेकिन कांग्रेस सरकार ने आते ही इसे बंद करवा दिया. स्कूल के शिक्षकों के ट्रांसफर में पैसे कमाए ऐसी पहचान आपने बनाई. हम छत्तीसगढ़ को देश और दुनिया एक पहचान देना चाहते है. पांच साल में कितने साधु संत आए? कांग्रेस ने कुंभ की महिमा को समाप्त कर दिया. हम कल्चर कनेक्ट योजना लायेंगे. अयोध्या,तिरुपति और पूरी में छत्तीसगढ़ धाम बनाएंगे. मानसरोवर जाने वाले यात्रियों को एक लाख रूपय देंगे. सिंधु दर्शन के लिए 25 हजार देंगे. बस्तर दशहरा मांझी को 2500 रूपय ,चालकी को दो हजार रुपए देने की घोषणा की. छत्तीसगढ़ी की संस्कृति सिरपुर,रामगढ़,चंपारण की संस्कृति है. कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति को भौरा,गिल्ली डंडा तक,सोंटा तक सीमित रखा. प्रधानमंत्री लोककला महोत्सव का आयोजन होगा. सभी पर्यटन स्थलों में गढ़ कलेवा की स्थापना होगी.

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ में भारत भवन बनाएंगे.स्कूल शिक्षा को लेकर मंत्री बृजमोहन अग्रवाल की बड़ी घोषणा. प्रदेश के 25 हजार स्कूलों में अंग्रेजी में शुरू होगी पढ़ाई. पहली कक्षा से पांचवीं तक अंग्रेजी में होगी पढ़ाई. आत्मानंद स्कूल योजना के नाम पर कांग्रेस ने करप्शन किया. 251 पुराने भवनों में 800 करोड़ खर्च कर दिए. कांग्रेस ने विद्या को बाजार बनाने की कोशिश की. छत्तीसगढ़ के 25 हजार स्कूलों को इंग्लिश मीडियम बनाएंगे. 1 साल में 33 हजार शिक्षकों की पदों पर भर्ती करेंगे. स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सदन में कहा, आत्मानंद स्कूल को भ्रष्टाचार का गढ़ बनाया. आत्मा नंद स्कूलों को पैसा खाने के लिए बनाया. 800 करोड़ रुपए 251 स्कूलों की मरम्मत में खर्च कर दिए. आत्मानंद स्कूल और शिक्षकों को कलेक्टर के अंदर ला दिया, शिक्षकों के भविष्य से भी खेला. 5 साल में 25 हजार स्कूलों को इंग्लिश मीडियम बनाएंगे. 15 साल के भाजपा कार्यकाल में 15 हजार से स्कूल 30 हजार हो गए. 50-50 हाई स्कूल और हायर स्कूल खोले जाएंगे. 1 साल में 33 हजार शिक्षकों की पदों पर भर्ती करेंगे. बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हमने बच्चों को संस्कारों की शिक्षा नहीं दी, भारतीय संस्कारों की शिक्षा नहीं दी इसलिए बच्चे भटक रहे हैं. शिक्षा में हम उच्च स्तरीय अनुसंधान का इस्तेमाल करेंगे जिससे बच्चे आगे बढ़ सके. जितने स्कूलों का उन्नयन हम करने जा रहे हैं. कांग्रेस ने 50 सालों में भी इतना नहीं किया. 57 हाई स्कूल, 39 प्राइमरी स्कूल भवन का निर्माण किया जाएगा. कांग्रेस ने पांच साल में केवल 13 हजार पदों की भर्ती की है हम एक साल में 33 हज़ार शिक्षकों की भर्ती करेंगे.

शिक्षकों की भर्ती के नाम पर मजाक किया गया. आरक्षण के नाम पर राज्य के नौजवानों के साथ विश्वासघात कांग्रेस ने किया. कांग्रेस को मालूम था कि 57 फीसदी आरक्षण नहीं हो सकता. पांच साल तक कांग्रेस ने शिक्षकों का प्रमोशन नहीं किया. हम एक साल के भीतर प्रमोशन के रुके काम पूरे करेंगे. शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर की जायेगी. सरकार एआई तकनीक के ज़रिये शिक्षा की गुणवत्ता को दुरुस्त करेगी. हम एक ऐसा सिस्टम बनायेंगे जो रियल टाइम मॉनिटरिंग करेगी. विद्या ऑपरेटिंग सिस्टम बनाया जाएगा. सूरजपुर और गरियाबंद में डाइट की स्थापना की जायेगी. टाइपिंग परीक्षा पिछले तीन सालों से नहीं हुई थी. इस परीक्षा के अभाव में कई पदों पर भर्ती नहीं हो पा रही थी. अब हर साल टाइपिंग परीक्षा होगी. स्कूलों में हर शनिवार एक घंटा खेल का होगा. छत्तीसगढ़ के बच्चे भी अग्निवीर बनेंगे. सरकार की कोशिश होगी कि अधिक से अधिक बच्चे एनसीसी में जाये, स्काउट गाइड में जाये, एनएसएस में जाये, रेडक्रास जॉइन करें. ये हमारे बच्चों के भविष्य का नींव होगा.

अबू धाबी के बीएपीएस हिंदू मंदिर का मोदी ने किया उद्घाटन, वैश्विक आरती में लिया हिस्सा

यूएई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था मंदिर का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अबू धाबी में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था मंदिर में पूजा की। नरेंद्र मोदी हिंदू मंदिर में आयोजित वैश्विक आरती में हिस्सा लिया। ये वैश्विक आरती दुनियाभर में बीएपीएस के 1500 मंदिरों में एक साथ आरती हुई। पीएम मोदी के उद्घाटन कार्यक्रम से पहले बुधवार को मंदिर का अभिषेक पूरा हो गया। 27 एकड़ भूमि पर निर्मित, यह अबू धाबी में पहला हिंदू पत्थर का मंदिर होगा जिसमें भारतीय संस्कृति और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की पहचान का अनूठा मिश्रण है। खाड़ी देश की उनकी संक्षिप्त दो दिवसीय यात्रा का केंद्र बिंदु बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन है, जो संयुक्त अरब अमीरात में उद्घाटन होने वाला दूसरा बड़ा हिंदू मंदिर है। अक्टूबर 2022 में दुबई के मंदिर का उद्घाटन संयुक्त अरब अमीरात के सहिष्णुता मंत्री एचएच शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान द्वारा किया गया था। प्रधानमंत्री मोदी मंदिर के समर्पण समारोह का भी नेतृत्व करेंगे जिसे 1 मार्च को जनता के लिए खोला जाएगा। मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग के पास अल रहबा के पास अबू मुरीखा में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा दान की गई 27 एकड़ जमीन पर बनाया गया है। शिलान्यास समारोह 2019 में हुआ था। विशाल संरचना में 3,000 लोगों को रखने की क्षमता वाला एक प्रार्थना कक्ष है, एक सामुदायिक केंद्र; एक प्रदर्शनी हॉल, एक पुस्तकालय और एक बच्चों का पार्क। मंदिर के अग्रभाग पर गुलाबी बलुआ पत्थर की पृष्ठभूमि पर सुंदर संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कुशल कारीगरों द्वारा 25,000 से अधिक पत्थर के टुकड़ों से तैयार किया गया है। गुलाबी बलुआ पत्थर का परिवहन राजस्थान से किया जाता था।

मंदिर में 402 खंभे हैं. 25,000 पत्थर के टुकड़ों का उपयोग किया गया है. मंदिर तक जाने वाले रास्ते के चारों ओर 96 घंटियाँ और गौमुख स्थापित किए गए हैं. मंदिर में नैनो टाइल्स का इस्तेमाल किया गया है, जो गर्मी में भी पर्यटकों के लिए चलने में आरामदायक होगी. मंदिर में किसी भी प्रकार की लौह सामग्री का उपयोग नहीं किया गया है. मंदिर में गोलाकार, षटकोणीय जैसे विभिन्न प्रकार के खंभे बनाए गए हैं.

मुस्लिम राजा ने दी है जमीन- एक मुस्लिम राजा ने एक हिंदू मंदिर के लिए भूमि दान की. इस मंदिर के चीफ आर्किटेक्ट कैथोलिक ईसाई, प्रोजेक्ट मैनेजर एक सिख, फाउंडेशनल डिजाइनर एक बौद्ध, कंस्ट्रक्शन कंपनी एक पारसी ग्रुप है और डायरेक्टर जैन धर्म से ताल्लुक रखते हैं.

मंदिर में सात शिखर बनाए गए हैं- मंदिर में सात शिखर बनाए गए हैं इन पर भगवान राम, भगवान शिव, भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण, भगवान स्वामीनारायण, तिरूपति बालाजी और भगवान अयप्पा की मूर्तियां हैं. सात शिखर संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात का प्रतिनिधित्व करते हैं. मंदिर में रामायण और महाभारत सहित भारत की 15 कहानियों के अलावा माया, एजटेक, मिस्र, अरबी, यूरोपीय, चीनी और अफ्रीकी सभ्यताओं की कहानियों को भी दर्शाया गया है. मंदिर में शांति का गुंबद और सौहार्द का गुंबद%भी बनाया गया है.

108 फुट ऊंचा है मंदिर- कुल 108 फुट ऊंचा यह मंदिर क्षेत्र में विविध समुदायों के सांस्कृतिक एकीकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा. मेजबान देश को समान प्रतिनिधित्व देने के लिए भारतीय पौराणिक कथाओं में हाथी, ऊंट और शेर जैसे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले जानवरों के साथ-साथ यूएई के राष्ट्रीय पक्षी बाज को भी मंदिर के डिजाइन में शामिल किया गया है. प्रतिष्ठित पत्थर का मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास अबू मुरीखा में स्थित है. मंदिर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की ओर से डोनेट की गई जमीन पर बनाया गया है.

मंदिर की क्या है खासियत?

केंद्रीय मंत्रियों के साथ आज होगी तीसरे दौर की बैठक

चंडीगढ़। मांगों को लेकर किसानों के दिल्ली मार्च का आज दूसरा दिन है। मंगलवार को हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर किसानों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए आंसू गैस छोड़ी तो किसानों ने भी पथराव किया। आज फिर दिल्ली कूच के लिए किसान तैयार हैं। पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर एक लंगर का आयोजन किया गया है, जहां प्रदर्शनकारी किसानों को सुरक्षा बलों द्वारा आंसू गैस के गोले से बचाने में मदद करने के लिए चश्मे वितरित किए जा रहे हैं। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने घोषणा की कि पुलिस कार्रवाई में घायल हुए किसानों के इलाज का पूरा खर्च पंजाब सरकार उठाएगी। किसानों और केंद्र के बीच गुरुवार को तीसरे दौर की बैठक होगी। राजपुरा बाईपास पर पंजाब किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि केंद्र के साथ कल शाम 5 बजे बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक किसानों के साथ बैठक से पहले बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने किसानों के चल रहे विरोध प्रदर्शन और मुद्दों के समाधान के तरीकों पर चर्चा की। पूर्व कृषि मंत्री सिंह ने मुंडा के साथ विभिन्न किसान मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

आज ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी और भ्रष्टाचार से मुक्त हों: मोदी

यूएई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दुनिया को आज ऐसी सरकारों की जरूरत है जो समावेशी और भ्रष्टाचार से मुक्त हों। यूएई की यात्रा के दूसरे दिन दुबई में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि वर्षों से उनका मंत्र न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन रहा है। दुबई में वर्ल्ड गवर्नमेंट्स समिट में पीएम मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि सरकार का अभाव भी नहीं होना चाहिए और सरकार का दबाव भी नहीं होना चाहिए। बल्कि मैं तो ये मानता हूं कि लोगों की जिंदगी में सरकार का दखल कम से कम हो, ये सुनिश्चित करना भी सरकार का काम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक दशक में हम दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए। इसी अवधि में हमारी सौर ऊर्जा क्षमता 26 गुना बढ़ गई, हमारी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भी दोगुनी हो गई.

प्रमुख समाचार

भारत की पहली हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस उत्तराखंड में

भारत अपनी पहली हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवा देखने के लिए तैयार है, जो ऋषिकेश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से संचालित होगी। एचईएमएस के माध्यम से, सरकार का इरादा हेलीकॉप्टरों का उपयोग करके देश भर में व्यापक आबादी तक चिकित्सा पहुंच और आघात देखभाल सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करना है। उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को उत्तराखंड हवाई अड्डे के नए एकीकृत हवाई अड्डे के निर्माण का आश्वासन दिया। सिंधिया ने पुष्टि की, एम्स ऋषिकेश से एचईएमएस के लिए अनुरोध चल रहा है, मेरी देखरेख में हेलीकॉप्टर असेंबली और प्रमाणन प्रगति पर है। नई हेलीकॉप्टर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं (एचईएमएस) 150 किलोमीटर के कवरेज दायरे के साथ प्रोजेक्ट संजीवनी के तहत संचालित होंगी। एचईएमएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, सिंधिया ने जोर देकर कहा, परिचालन के बाद, हेलीकॉप्टर एम्स ऋषिकेश में तैनात किए जाएंगे, जो 150 किमी के दायरे को कवर करेगा।

भाजपा तानाशाही तरीके से काम कर रही: स्टालिन

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की और इसकी तुलना एडॉल्फ हिटलर जैसे तानाशाह से की। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के कैडर को लिखे पत्र में स्टालिन ने कहा कि भाजपा तानाशाही तरीके से काम कर रही है और तमिलनाडु जैसे राज्यों के अधिकार और शक्तियां छीन रही है, जहां वह कभी नहीं जीत सकती। द्रमुक अध्यक्ष ने भाजपा पर किसी भी प्रकार की असहमति या विरोध को दबाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ आंदोलनों को कुचलने के लिए किया जा रहा है। स्टालिन ने कहा कि भाजपा इस तरह से काम कर रही है कि वह उन राज्यों में कानूनी संकट पैदा करके संविधान का अपमान कर रही है जहां वे सत्ता में नहीं हैं और कठपुतली राज्यपालों का उपयोग करके समस्याएं पैदा कर रही हैं। एमके स्टालिन ने भारत की चुनावी प्रणाली के भाग्य का निर्धारण करने में 2024 के लोकसभा चुनावों के महत्व पर भी जोर दिया।

केजरीवाल को ईडी का छठा समन, 19 को बुलाया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए नया और छठा समन जारी किया है। जानकारी के मुताबिक, केजरीवाल को 19 फरवरी को ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक पिछले पांच महीनों में संघीय एजेंसी द्वारा जारी किए गए पांच समन में शामिल नहीं हुए थे। इस बीच, ईडी द्वारा पिछले समन पर नहीं हाजिर होने को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को 17 फरवरी को तलब किया है। कथित अवैध शराब घोटाला मामले में समन मिलने के बाद ईडी ने 3 फरवरी को राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी प्रमुख के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा ने कहा था कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 50 के तहत, जांच एजेंसियों को जांच के दौरान किसी भी व्यक्ति को बुलाने की शक्ति है, जिसकी उपस्थिति सबूत देने या रिकॉर्ड पेश करने के लिए आवश्यक मानी जा सकती है।

कमलनाथ का पत्ता कटा, अजय माकन को कर्नाटक से उतारा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राज्यसभा चुनाव के लिए अब तक 9 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है. बुधवार सुबह कांग्रेस ने चार उम्मीदवार तो दोपहर में पांच के नामों का ऐलान किया. लेकिन इन नामों में सबसे ज्यादा हैरानी कमलनाथ का नाम नहीं होने से हुई. मध्य प्रदेश से कांग्रेस ने कमलनाथ की जगह अशोक सिंह को उतारा है. वहीं, कर्नाटक से अजय माकन, सैयद नासीर हुसैन, जीसी चंद्रशेखर और तेलंगाना से रेनुका चौधरी और अनिल कुमार यादव को उम्मीदवार बनाया गया है. राजस्थान से सोनिया गांधी, बिहार से अखिलेश प्रसाद सिंह, हिमाचल प्रदेश से अभिषेक मनु सिंघवी और महाराष्ट्र से चंद्रकांत हंडोरे को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया गया है. कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने शनिवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के सवाल को अफवाह करार दिया था और कहा था कि राजनेता स्वतंत्र हैं और किसी भी संगठन से जुड़े रहने के लिए बाध्य नहीं हैं. कमलनाथ आचार्य प्रमोद कृष्णम जैसे अपने कांग्रेस सहयोगियों के भाजपा में शामिल होने की संभावना पर संवाददाताओं के सवाल का जवाब दे रहे थे.

इलेक्टोरल बॉन्ड की कानूनी वैधता पर सुको आज सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली। राजनीतिक दलों को गुमनाम रूप चंदा देने की अनुमति देने वाली इलेक्टोरल बॉन्ड या चुनावी बॉन्ड योजना की कानूनी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज फैसला सुनाएगा. इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने पिछले साल 31 अक्तूबर से नियमित सुनवाई शुरू की थी. कोर्ट ने तीन दिन लगातार इस मामले पर सुनवाई की. मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने की. इस संविधान पीठ में सीजेआई के साथ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा थे. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर से दलीलें दी गईं. कोर्ट ने 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सभी पक्षों को गंभीरता से सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था. पहले सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि चुनावी बॉन्ड योजना के साथ एक दिक्कत ये है कि यह चयनात्मक गुमनामी और चयनात्मक गोपनीयता प्रदान करती है. इसकी जानकारी स्टेट बैंक के पास उपलब्ध रहती है और उन तक कानून प्रवर्तन एजेंसियां भी पहुंच सकती हैं. कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी की थी कि इस योजना के साथ ऐसी परेशानियां रहेंगी.

क्या राजनीतिक अस्तित्व को बचा पाएंगे पवार!

आदिति फडणीस

शरद पवार ने जिस घर को खून, पसीने और मेहनत से तैयार किया था वह एक वाक्य के साथ एक झटके में धराशायी हो गया। पिछले हफ्ते भारत के निर्वाचन आयोग का यह आदेश अप्रत्याशित नहीं था कि याची अजित अनंतराव पवार के नेतृत्व वाला गुट ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) है और वह इसका नाम और इसके चुनाव चिह्न घड़ी का इस्तेमाल करने की हकदार है।

पवार धड़े के राकांपा नेता जितेंद्र आव्हाड ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'हमें पहले से मालूम था कि ऐसा होने जा रहा है। आज अजित ने राजनीतिक रूप से पवार का गला घोंट दिया है। इसके पीछे सिर्फ अजित का हाथ है। इस पूरे प्रकरण में किसी को शर्मिंदा होना चाहिए तो वह निर्वाचन आयोग है। पवार उस अमरपक्षी की तरह हैं जो अपनी राख से भी उठेंगे। हमारे पास अब भी ताकत है क्योंकि हमारे पास पवार हैं।' पवार गुट उच्चतम न्यायालय गया और इस खेल (इस महीने होने वाले राज्य सभा चुनाव) में बने रहने के लिए इसने खुद को एक नए नाम से पंजीकृत कराया है। इसे अस्थायी रूप से राकांपा (शरदचंद्र पवार) कहा जाएगा। चुनाव आयोग ने अभी तक पार्टी को कोई चुनाव चिह्न नहीं दिया है। पार्टी को उगते सूरज (तमिलनाडु का सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम ऐसे ही चुनाव चिह्न के एक संस्करण का इस्तेमाल करता है), चश्मे की एक जोड़ी (भारतीय राष्ट्रीय लोक दल के चुनाव चिह्न का एक संस्करण है), और बरगद के पेड़ के बीच चुनाव करना है। पवार आखिरी चुनाव चिह्न के पक्ष में हैं।

लेकिन इसका मतलब यह है कि 84 साल की उम्र में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और राकांपा के संस्थापक शरद पवार एक बार फिर वहीं आ खड़े हैं जहां से उन्होंने शुरुआत की थी। उन्होंने 1999 में कांग्रेस से अलग होकर राकांपा का गठन इस आधार पर किया था कि वह उस पार्टी का समर्थन नहीं कर सकते हैं जिसका नेतृत्व किसी 'विदेशी मूल' के व्यक्ति द्वारा किया जाता है। उनके नेतृत्व में राकांपा ने व्यापक राजनीतिक जमीन तैयार की। अब जब वह अपनी ही पार्टी के खंडहरों के बीच खड़े हैं, तब उनके पास दो विकल्प हैं कि वह फिर से लड़ सकते हैं, अपनी खोई हुए राजनीतिक को फिर से पाने का दावा करते हुए अपने संगठन का निर्माण करें या फिर वह अपने ऊर्जावान भतीजे के सामने झुक जाएं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ हाथ मिलाकर कुछ बेहतर की उम्मीद करें। ठाकरे परिवार से जुड़ी एक किताब के लेखक और महाराष्ट्र की राजनीति पर नजर रखने वाले धवल कुलकर्णी का कहना है, 'पवार एक योद्धा हैं। वह इसका मुकाबला करेंगे।' हालांकि ऐसा बहुत मुश्किल है क्योंकि इस बात का अंदाजा नहीं लग पा रहा है कि यह कैसे संभव होगा।

चुनाव आयोग ने अपने फैसले का आधार इस तथ्य को बनाया है कि 53 विधानसभा सदस्यों में से 41 विधायकों वाला गुट ही असली राकांपा है जिसका नेतृत्व अजित कर रहे हैं। अजित, राकांपा सदस्यों से कहते रहे हैं कि उनके दरवाजे 'हर उस व्यक्ति के लिए खुले हैं जो आना चाहते हैं।' उन्होंने पिछले हफ्ते पुणे में भी यही बयान दोहराया था। हालांकि पवार के वफादार इसे खारिज करते हैं, लेकिन तथ्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में अजित लगातार संगठन पर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। यहां तक कि परिवार के गढ़ बारामती में भी अजित पवार की छाप हर जगह है। इसका ताजा सबूत जुलाई में राकांपा के विभाजन के बाद हुए पंचायत चुनावों का नतीजा था। पवार गुट ने वह चुनाव नहीं लड़ा और बारामती तालुका की 32 ग्राम पंचायतों में से 30 पर जीत हासिल करते हुए अजित की राकांपा ने शानदार जीत दर्ज की। हालांकि ये चुनाव पार्टी लाइन पर नहीं लड़े जाते हैं और उम्मीदवार एक या दूसरे राजनीतिक दल के साथ गठबंधन करते हैं। राजनीतिक चुनौती की एकमात्र मिसाल बारामती नगर परिषद के पास लगाई गई एक होर्डिंग थी। शरद पवार की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, 'हम इस 80 वर्षीय योद्धा के साथ हैं।' स्थानीय मीडिया के अनुसार कुछ घंटे बाद इसे हटा लिया गया। पवार के करीबी सूत्रों का कहना है कि उन्होंने अपने राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने की रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी थी, हालांकि वह अपनी सेहत के कारण मजबूर हो रहे हैं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी है और वह सब जगह फोन घुमाने के साथ ही अजित समूह द्वारा किए गए कब्जे को रोकने के लिए पश्चिमी महाराष्ट्र में सहकारी निकायों के पदाधिकारियों को फोन कर रहे हैं। फरवरी के अंतिम सप्ताह में वह सड़क पर भी उतरेंगे जब वह पूरे महाराष्ट्र में जनसभाएं और रैलियां करते देखे जा सकते हैं। कुलकर्णी कहते हैं, 'उनके एक वफादारों ने मुझसे कहा कि लोगों की सहानुभूति शरद पवार के साथ है।

भू-विस्थापितों का आंदोलन खत्म, प्रबंधक के लिखित आश्वासन के बाद बनी बात

केएसके महानदी पावर प्लांट के लिए जमीन देने वाले किसानों ने आंदोलन शुरू किया था

जांजगीर चांपा। जांजगीर चाम्पा जिला के नरियरा गांव में संचालित केएसके महानदी पावर प्लांट के सामने तीन दिनों से धरना में बैठे भू-विस्थापितों का आंदोलन समाप्त हो गया है। वहीं प्लांट के लिए अपनी जमीन देने वाले 11 गांव के भू विस्थापित किसानों ने प्लांट प्रबंधन पर वादा खिलाफी करने का आरोप लगाते हुए आंदोलन शुरू किया था। साथ ही प्लांट के गेट में ताला लगाकर गेट के सामने दिन रात बैठे कर मजदूरों के आने जाने पर रोक लगा दी थी। भू-विस्थापितों की मांग और आंदोलन को बढ़ता देख जिला प्रशासन ने मामले में दखल दी और प्लांट प्रबंधन ने लिखित आश्वासन दिया है।

मिली जानकारी अनुसार, प्लांट स्थापित करने के लिए रोकदा, बनाहील, नरियरा के साथ आसपास के 11 गांवों के लोगों ने अपनी जमीन दी थी। 11 साल पहले 32 सौ वाट के पावर प्लांट संचालित होने लगा। लेकिन यहां के कई किसानों को प्लांट प्रबंधन ने अब तक जमीन का मुआवजा नहीं दिया। जमीन के बदले नौकरी नहीं दी और पेशन भी नहीं दी।

साथ ही 11 गोद लिए गावों में सीएसआर मद से कोई भी विकास कार्य नहीं कराया गया। जिससे भू-विस्थापित अनेकों बार शासन प्रशासन और प्लांट प्रबंधन से गुहार लगाई। लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। प्लांट प्रबंधन की वादा खिलाफी से परेशान होकर किसानों ने प्लांट के खिलाफ 11 फरवरी से प्लांट के सामने धरना प्रदर्शन कर प्लांट के मेन गेट पर ताला लगा दिया था। जिससे अंदर मजदूरों का आना-जाना बंद कर दिया। जिसके परिणाम स्वरुप जिला प्रशासन ने त्रि-पक्षीय वार्ता की और प्लांट के अधिकारियों और भू-विस्थापितों के बीच लिखित समझौता कराया। भू-विस्थापितों ने जिला प्रशासन की पहल के बाद राहत की सांस ली और अब प्लांट प्रबंधन के लिखित आश्वासन से उचित मुआवजा, नौकरी, पेशन और अन्य सुविधा मिलने की उम्मीद जाग उठी है। भू-विस्थापितों ने कहा कि जिला प्रशासन के अगुवाई और प्लांट प्रबंधन के लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त हो गया है। अगर मांग पूरी नहीं होगी तो आंदोलन का रास्ता खुला है।

धमतरी में बुलडोजर, सड़क पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर प्रशासन का एक्शन

निगम कर्मचारियों के साथ कई व्यवसायियों ने बहस भी की

धमतरी। अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन का बुलडोजर एक बार फिर चला है। मंगलवार को शहर में सड़क किनारे फैले अतिक्रमण को हटाने यातायात और निगम की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की है। घड़ी चौक से गोल बाजार और बस स्टैंड में सड़क किनारे अवैध कब्जे को हटाया गया। इस दौरान निगम कर्मचारियों के साथ कई व्यवसायियों ने बहस भी की।

धमतरी में सड़क किनारे दुकानों के फैले सामान से बीते कुछ समय से यातायात प्रभावित होने लगा। इस मामले में निगम की तरफ से समय समय पर चेतावनी भी दी गई बावजूद कई व्यवसायी सड़क तक अपना सामान फैला कर ही रखने लगे। इसी को देखते हुए नगर निगम का अतिक्रमण तोड़ू दस्ता निकला। घड़ी चौक से होते हुए आमापारा गोल बाजार से वापस घड़ी चौक तक पहले कार्रवाई की गई। इस दौरान गोल बाजार के पास एक व्यवसायी अपनी धौंस दिखाते हुए ऊपर तक पहुंच होने की बात कहकर नगर निगम कर्मचारियों से बहस भी करने लगा।

घड़ी चौक में कार्रवाई के बाद बुलडोजर बस स्टैंड पहुंचा। जहां पर कई लोग सड़क पर व्यवसाय करते हुए नजर आए। कोई रेस्टोरेंट वाला सड़क पर चूल्हा लगा कर रखा रहता है तो कोई निगम के दुकान के सामने अन्य दुकानदारी करते हुए पाए गए। बस स्टैंड के गेट के किनारे दूसरे दुकान के सामने में व्यवसाय करने वाले का शेड तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान कई लोगों का सामान जब्त किया गया और कई लोगों पर फाइन भी किया गया। लगभग 7 हजार से ज्यादा की चालानी कार्रवाई की गई। दुकानदारों को हिदायत दी गई कि व्यवसाय चलाने के लिए जिसे जितनी दुकान आवंटित है उतने पर ही करें।

नगर निगम उप आयुक्त पीसी सार्वा ने कहा यातायात सड़क सुरक्षा माह के चलते यातायात और निगम की तरफ से अतिक्रमण पर कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही सड़कों पर बैठे मवेशियों की भी धड़पकड़ किया जा रहा है। यह अभियान लगातार जारी रहेगी। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सत्ता आते ही बुलडोजर एक्शन चल रहा है। बीते दिनों कांकेर, नारायणपुर और दुर्ग में भी प्रशासन ने कई अवैध कब्जों और अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलाया।

प्रमाणपत्र में फर्जीवाड़ा, भाजपा नेताओं ने की कार्रवाई की मांग

- जीपीएम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले के महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायिका के पद पर फर्जी प्रमाणपत्र के सहारे भर्ती कर फर्जीवाड़ा किये जाने का मामला सामने आया है। वहीं अब आंगनबाड़ी में फर्जी प्रमाणपत्र के सहारे नियुक्ति प्राप्त करने वाले और नियुक्ति समिति के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्थानीय बीजेपी नेता ने संबंधित विभाग के साथ जीपीएम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। मामले में दोषी चयन प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

पूरा मामला गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले का है। जहां भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेताओं ने जीपीएम में कलेक्टर को एकीकृत बाल विकास परियोजना गौरेला के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र मुड़ाटिकरा में शिवकुमारी पोर्ते के द्वारा

सहायिका के पद पर फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नियुक्ति प्राप्त करने का शिकायत की है।

कलेक्टर को मामले में ज्ञापन सौंपा है साथ ही भाजपा नेता ने नियुक्ति प्रक्रिया के समिति में शामिल अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्यवाही करने की मांग की। भाजपा नेता ने ज्ञापन के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई। आवेदिका शिवकुमारी पोर्ते वर्ष 2011-12 में कक्षा आठवीं सरस्वती शिशु मंदिर गिरवर से पास की। वर्ष 2013 में कक्षा दसवीं छत्तीसगढ़ बोर्ड रायपुर से नियमित छात्र के रूप में उत्तीर्ण करती है। यह कक्षा नवमी में अध्ययन किए बिना संभव नहीं है। वहीं आवेदिका ने आठवीं की अंकसूची आवेदन करने के दौरान संलग्न न कर बाद में दावाआपत्ति करते हुए यह अंकसूची संलग्न किया। आठवीं और दसवीं की मार्कशीट में हुए फर्जीवाड़े को विकासखंड स्तरीय मूल्यांकन समिति के द्वारा भी नहीं देखा गया। अपात्र आवेदिका को नियुक्ति आदेश जारी कर दिया।

बच्चों के भविष्य से खेल रहे जिम्मेदार

निजी संस्था की तरफ से भंडारा सेवा में भेजे गए प्रधानपाठक

महासमुंद। जिले के पिथौरा विकासखण्ड के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने नियमों की धज्जियां उड़ा दी है। बसना विधायक संपत अग्रवाल के अनुशंसा पर एक प्रधानपाठक को निजी संस्था की तरफ से अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा मे भंडारा सेवा के लिए 65 दिन का अवकाश देकर बच्चों के भविष्य को अधर में लटकाने का अनोखा आदेश जारी किया है। जहां शासकीय इस आदेश की चर्चा आम है। वहीं शिक्षा विभाग के आला अधिकारी गलत होता देख रटा-रटाया राग अलापते हुए जांच के बाद कार्रवाई का कोरा आश्वासन दे रहे हैं।

बता दें कि महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखण्ड के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी ने 20 जनवरी 2024 को एक आदेश जारी किया, जिसमें विश्वामित्र बेहरा प्रधान पाठक प्राथमिक शाला बिजेपुर का नाम था। विषय था अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए कार्यमुक्ति बाबत। उसके आगे लिखा था विधायक बसना के निर्देशानुसार विश्वामित्र बेहरा प्रधान पाठक प्राथमिक शाला बिजेपुर को अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में नीलांचल सेवा समिति बसना की ओर से भंडारा सेवा के लिए नियुक्त किए जाने के फलस्वरूप संबंधित को उक्त कार्य के लिए 23 जनवरी 2024 से 29 मार्च तक इस कार्यालय के लिए कार्य मुक्त किया जाता है। नियमानुसार एक शासकीय कर्मचारी को एक निजी संस्था के लिए अयोध्या मे भंडारा के लिए नहीं भेजा जा सकता। प्रधान पाठक अर्जित अवकाश लेकर जा सकता था पर नियम विरुद्ध ऐसे किसी कर्मचारी को अवकाश नहीं दिया जा सकता है।

इस पूरे मामले में जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी नहीं होने की बात कही है। वहीं सहायक संचालक का कहना कि नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा। नियमानुसार इस कार्य के लिए अवकाश नहीं दिया जा सकता है। गौरतलब है कि इस आदेश के बाद लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर प्राथमिक शाला बिजेपुर में कक्षा पहली से लेकर पांचवी तक के 33 छात्र-छात्राओं को क्या एक शिक्षिका पढ़ा पाएगी? दूसरा एक शासकीय शिक्षक को किस नियम के आधार पर एक निजी संस्था में सेवा देने के लिए कार्यमुक्त किया जा सकता है? एक विधायक क्या इस प्रकार की अनुशंसा कर सकता है ? बहरहाल देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस पूरे मामले में क्या कार्रवाई करती है या फिर पूरा मामला राजनीति के भेंट चढ़ जाएगा।

साधराम यादव हत्याकांड: हिंदू संगठनों ने बुलाया बंद

चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने किया समर्थन

कबीरधाम। कबीरधाम जिले से कवर्धा विधायक और राज्य के डिप्टी सीएम, गृह मंत्री विजय शर्मा के गृह जिले कबीरधाम में हिंदू संगठनों ने आज जिले में बंद बुलाया है। साधराम यादव हत्याकांड को लेकर बंद का आह्वान सर्व हिंदू समाज, यादव समाज, सनातन धर्म रक्षा मंच, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल ने किया है।

दोपहर दो बजे कवर्धा शहर के सिग्नल चौक के पास श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। इनकी प्रमुख मांग साधराम यादव के हत्यारों की सही पहचान, एनकाउंटर की हो जांच, हत्यारों के परिवार की जांच किया जाए। पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए मुआवजा, घर के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दिया जाए।

इसके अलावा 2021 में हुए कवर्धा में झंडा विवाद, 2023 में बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर हत्याकांड समेत अन्य मामलों की जांच की मांग की है। बंद को लेकर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने अपना समर्थन दिया है।

बता दें कि चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने साधराम हत्याकांड को लेकर कड़ी निंदा की है। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर पूर्ण रूप से विराम लगे और शासन-प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है। चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने जिले के सभी व्यापारी से निवेदन किया है कि अपनी दुकानों को दोपहर एक बजे तक पूर्ण रूप से बंद रखकर शांतिपूर्ण समर्थन दें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

राजनांदगांव शहर की सेहत बिगाड़ रही ओव्हरलोड गाड़ियां

राजनांदगांव। संस्कारधानी के लोग इन दिनों ओव्हर लोड गाड़ियों की समस्या से जूझ रहे हैं। नियम और कायदों के बावजूद ओव्हरलोड वाहनों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। खैरागढ़ और डोंगरगढ़ नेशनल हाइवे पर बेतरतीब ओव्हरलोड वाहन दौड़ रहे हैं। ट्रकों में रेत,गिट्टी और मुरूम का परिवहन हो रहा है।फिर भी परिवहन विभाग ओव्हरलोडिंग के खिलाफ कोई कदम नहीं उठा रहा। इसे लेकर जिला प्रशासन ने खनिज विभाग और परिवहन विभाग को कई बार निर्देश भी दिए हैं। लेकिन निर्देश का कोई असर नहीं दिख रहा। परिवहन विभाग की ओर से चालानी कार्रवाई की जाती है। इसके बाद भी सड़क पर ओव्हरलोड गाड़ियां दिख रही हैं। इन ओव्हरलोड गाड़ियों के कारण हादसे हो रहे हैं। कई लोग हादसों में अपनी जान गवां चुके हैं। ओव्हरलोड गाड़ियों पर बड़ी कार्रवाई नहीं हो रही। कार्रवाई होती तो शायद खुलेआम सड़कों पर नियमों की धज्जियां ना उड़ाई जाती। खनिज अधिकारियों पर अब लोग नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं।

भिलाई में वेलेंटाइन डे का विरोध, बजरंगदल का हंगामा

दुर्ग भिलाई। वेलेंटाइन डे के विरोध में छत्तीसगढ़ बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया है। भिलाई सेक्टर 7 पार्क, सिविक सेंटर सहित सड़कों, चौक चौराहों पर रैली की शक्ल में बजरंगदल के कार्यकर्ता सर्चिंग कर रहे हैं। इस दौरान शहर के प्रतिष्ठित मैत्री बाग में बजरंगदल के कार्यकर्ता आ धमके। वहां घूमने आए प्रेमी जोड़ों को बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने पकड़ कर उन्हें समझाइश दी और छोड़ दिया। बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने वैलेंटाइन डे के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। साथ ही लोगों से पश्चिमी सांस्कृतिक के बजाय सनातन संस्कृति को अपनाने की बात कही। बता दें कि भिलाई में 14 फरवरी को वैलेंटाइन्स डे के दिन हर साल बजरंग दल के कार्यकर्ता सड़क पर निकलते हैं और जोड़ों को पकड़ कर उन्हें समझाइश देते हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने 14 जनवरी को मातृपितृ पूजन दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। इसी के तहत प्रदेश के स्कूलों में सरस्वती पूजा पर छात्र छात्राएं मां सरस्वती के साथ अपने माता पिता की भी पूजा कर आशीर्वाद ले रहे हैं।

बलरामपुर में नाराज पटवारियों की हड़ताल जारी

बलरामपुर। रामानुजगंज में हुई धान खरीदी और करोड़ों के घोटाले का मामला तेजी से बढ़ता जा रहा है।इस मामले में सरगुजा कमिश्नर प्रभारी तहसीलदार को निलंबित कर चुके हैं। अब इसमें शामिल पटवारियों को भी घेर में लिया जा रहा है। जिसके खिलाफ पटवारी संघ खड़े हो गया है। पटवारियों का आरोप है कि उनको बेवजह फंसाने की साजिश रची जा रही है। नाराज पटवारी अपनी मांगें मनवाने के लिए छह दिनों से धरने पर बैठे हैं। आंदोलन में शामिल कर्मचारियों का कहना है कि जांच के नाम पर जो गलत रिपोर्ट बनाई गई है उसे वापस लिया जाए। जबतक उनकी मांगे नहीं मानी जाती तब तक वो आंदोलन जारी रखेंगे। धान खरीदी में हुई करोड़ों के घोटाले के लिए प्रशासन ने शशि चौधरी को जांच अधिकारी बनाया है। पटवारी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेष मेहता ने आरोप लगाया कि जांच अधिकारी शशि चौधरी पटवारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहे हैं। धान खरीदी में जो भी गड़बड़ी हुई वो तहसीलदार की आईडी से हुई है। आईडी किसी और की इस्तेमाल हुई और उसकी सजा हमें दी जा रही है।

पुरानी रंजिश पर 9 साल के मासूम का किया अपहरण

जगदलपुर। बस्तर जिले में वैलेंटाइन डे पर एक नशेड़ी युवक ने पिता से बदला लेने के लिए 9 साल के मासूम बच्चे को गला रेतकर कर मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद तुरंत पुलिस ने आरोपी युवक को जगदलपुर शहर के धरमपुरा इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर मासूम बच्चे का शव और हत्या में उपयोग किया चाकू भी बरामद किया गया। वहीं 1 अन्य आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बस्तर एएसपी महेश्वर नाग ने बताया कि आरोपी युवक और बच्चे के पिता में पुरानी रंजिश थी। कई दिनों से युवक बदला लेने की ताक में था। मंगलवार की शाम आरोपी युवक अपने एक अन्य साथी के साथ बच्चे को नशीली चॉकलेट खिलाकर अपरहण कर अपने साथ जगदलपुर शहर ले आया और देर रात मासूम बच्चे की हत्या कर शव को परपा के जंगल में फेंक दिया। हत्या के बाद आरोपी घटना स्थल से फरार हो गया। इसके बाद बच्चे के परिजनों और इलाके में तेजी से बच्चे के अपहरण की बात फैल गई।

कोरबा में राज्यस्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप का समापन

कोरबा। कोरबा बैडमिंटन संघ द्वारा योनेक्स सनराइज 22वीं छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियनशिप का समापन हो गया। नगर निगम के आवासीय परिसर स्थित एकलव्य स्पोर्ट्स एरिना कोरबा में चैंपियनशिप के सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ के लगभग 200 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। यहां अलग-अलग आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने जमकर अपने खेल का जौहर दिखाया। प्रतियोगिता में सिंगल व डबल मैच का मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में 35 वर्ष से लेकर 75 वर्ष तक के लिए अलग अलग कैटेगरी में मैच खेले गए। इन सभी 9 कैटेगरी में कुल 45 इवेंट मैच खेले गये। टूर्नामेंट के सभी विजयी खिलाड़ी का चयन हरियाणा के पंचकूला में होने वाले नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए होगा। अध्यक्ष अशोक शर्मा ने कहा 40 प्लस, 35 प्लस, 45 प्लस, 50 और 60 प्लस आयु वर्ग में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हमारा प्रयास है कि जिले में बैडमिंटन के प्रति एक बेहतर माहौल पैदा किया जाए।

धमतरी के बलियारा और बोड़रा में बॉर्डर की लड़ाई, गांव में तनाव

धमतरी। जिले के दो गांव बलियारा और बोड़रा के बीच सीमा विवाद गहराता जा रहा है। दोनों गांव के बीच अब तनाव इतना बढ़ गया है कि बवाल जैसी स्थिति बन गई है। बलियारा गांव के लोगों का आरोप है कि सोमवार को बोड़रा गांव के हजारों लोग गांव पहुंच गए और गांव की जमीन पर उगे हरे भरे पेड़ों को काटने लगे। गांव वालों का कहना है कि बलवा की स्थिति बन गई।

इसी विवाद को लेकर मंगलवार को बलियारा गांव के सैकड़ों ग्रामीण कलेक्टर के पास अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बोड़रा के ग्रामीण इकठ्ठा होकर गांव पहुंचे और हुड़दंग किया। गांव वालों ने प्रशासन से इस विवाद को सुलझाने की फरियाद लगाई है।

बलियारा सरपंच हीरालाल ध्रुव ने कहा बलियारा और बोड़रा के बीच सीमा विवाद चल रहा है। 30 जनवरी को शासन ने सीमांकन किया था। ये भी कहा गया कि दोनों पंचायतों को मिलकर ही चिन्हांकित किया जाएगा। लेकिन इसी बोड़रा गांव के लोगों ने 12 फरवरी को चिन्हांकन को लेकर पत्र दिया। लेकिन हमारी मांग है कि पहले बैठकर

दोनों गांव वाले समझौता करेंगे उसके बाद ही चिन्हांकन किया जाएगा। लेकिन बोड़रा गांव के लोग सुन नहीं रहे हैं।

बलियारा ग्राम पटेल सूरज तिवारी ने कहा सोमवार को हजारों बोड़रा गांव वाले घुस गए और हमारे पेड़ों को काट दिया। सीमा रेखा के विवाद को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन को ज्ञापन देने आए हैं।

दोनों गांवों के बीच सीमा का क्यों है विवाद

बोड़रा गांव की तरफ बलियारा गांव के लोगों की सवा एकड़ जमीन है जबकि बलियारा गांव में बोडरा गांव की 2 एकड़ जमीन है। इसी जमीन पर बलियारा के चार परिवार पिछले 25 सालों से बसे हैं। इन चार घरों को बचाने बलियारा गांव के लोग बोड़रा वालों से बैठकर बात करना चाहते हैं। बलियारा के सरपंच का कहना है कि उनकी तरफ 3 एकड़ घाट जमीन भी फंसी है। ऐसे मे बोड़रा के लोग यहां की जमीन छोड़ दें हम उनकी जमीन छोड़ देंगे।

गांवों के बीच मध्यस्थता का काम किया

डिप्टी कलेक्टर तेजपाल ध्रुव ने बताया कि बलियारा और बोड़रा गांव के बीच सीमांकन के विवाद को सुलझा दिया गया है। बलियारा गांव के लोगों का कहना है कि बोड़रा गांव के लोगों से बैठकर समझौता करना चाहते हैं। हमने दोनों गांवों के बीच मध्यस्थता का काम किया है।

पेट्रोल पंप में लूट, बदमाशों ने ऑपरेटर पर किया हमला

दुर्ग। जिले के एक पेट्रोल पंप में अज्ञात बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया है। बदमाशों ने पेट्रोल पंप ऑपरेटर पर ईट से हमला कर सिर फोड़ दिया। फिर नकदी और मोबाइल छीन कर फरार हो गए। मामले में शिकायत के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से बदमाशों की पहचान कर रही है। यह घटना मंगलवार देर रात 11 बजे की बताई जा रही है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप का है।

मिली जानकारी के अनुसार, तीन बाइक सवार युवक पुलगांव रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप में पेट्रोल भराने पहुंचे थे। यहां उन्होंने 90 रुपए का पेट्रोल भरवाया और 100 रुपये पंप ऑपरेटर को दिए। पंप ऑपरेटर अशरफ खान जैसे ही 10 रुपये लौटने लगा बदमाशों ने और पैसे की डिमांड की और गाली-गलौच करते हुए उसके सिर पर ईट से हमला कर दिया। अपनी जान बचाकर पंप ऑपरेटर केबिन में जाकर अंदर से बंद कर लिया, लेकिन बदमाश ऑफिस के दरवाजे की कांच को तोड़कर अंदर घुस गए और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसके पास से 10,000 रुपये नकद, स्मार्ट वॉच और मोबाइल छीन कर फरार हो गए।

इन बदमाशों की हरकत पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई हैं। वहीं इस घटना में घायल अशरफ खान ने बुधवार सुबह कोतवाली थाना में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विधायक ने सदन में शराब दुकानों में अनियमितता का मामला उठाया

■ भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने पूछा- कहां गए 2835 करोड़ रुपए ?

रायपुर। विधानसभा में भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने शराब दुकानों के संचालन में प्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा अनियमितता का मामला ध्यानाकर्षण के जरिए उठाया। धर्मजीत ने कहा, प्रदेश में देसी विदेशी शराब के लिए क़रीब सात सौ शराब दुकानें है। विभाग की मॉनिटरिंग के अभाव में प्लेसमेंट एजेंसी अमानत में खयानत कर रही है। शराब दुकान में रोज बिक्री की राशि कोषालय में जमा नहीं की जा रही है। यह घपलेबाजी 2019 से चल रही है। 2856 करोड़ रुपए कोषालय में जमा नहीं होने का खुलासा इसी सदन में हुआ था। मैंने ही इस मामले को उठाया था। तब सदन में ये जवाब दिया गया था कि चिल्हर खर्च कर दिया गया। चिल्हर खर्चे के लिए 28 सौ करोड़ नहीं रखा जा सकता।

इस पर वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने कहा, शराब दुकानों का संचालन छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। दुकानें शासन के दिशा निर्देश पर चल रही है। माह की कुल बिक्री की आडिट की जाती है। यह सही नहीं है। 25 नवम्बर 2019 से शुरू हुए सत्र में 2856 करोड़ रुपए कोषालय में जमा नहीं होने का मामला सदन में आया था। धर्मजीत सिंह ने कहा, इसी सदन में 2856 करोड़ रुपये की गड़बड़ी सामने आई थी। मैंने इसकी जांच के लिए पत्र लिखा है। चिल्हर खर्चे के लिए 28 सौ करोड़ रखा नहीं जा सकता।

शराब की दुकानों पर मालिकाना हक़ सरकार का हो सकता है, लेकिन इन दुकानों को प्लेसमेंट एजेंसियां चला रही है। प्लेसमेंट एजेंसियों की गड़बड़ी की वजह से ही ईडी मामले की जांच कर रही है।

मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि प्लेसमेंट एजेंसियां केवल कर्मचारियों को नियुक्त करने का काम करती है। दुकानों का संचालन स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन करता है।

टेंडर प्रक्रिया से सभी 12 जोन में प्लेसमेंट एजेंसी तय की जाएगी। सदन में धर्मजीत सिंह ने पूछा, सूरजपुर और दंतेवाड़ा की दुकानों में 22 लाख रुपए की चोरी हुई थी। क्या उन प्लेसमेंट एजेंसी से वसूली हुई? प्लेसमेंट एजेंसी के लोग इतने स्पेशलिस्ट थे कि झारखंड तक ट्रेनिंग देने चले गए थे। 28 सौ करोड़ रुपए का जो मसला है, क्या इसकी जांच की जाएगी? इस पर ओपी चौधरी ने कहा, प्लेसमेंट एजेंसी को होने वाले पेमेंट से हम वसूली एडजस्ट करेंगे।

विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा, देसी विदेशी की लगभग 700 दुकानें है। तमाम एजेंसियां नियम कानूनों की धज्जियां उड़ा रही है। ये सभी एजेंसियां अमानत में खयानत कर रही है। इसमें अधिकारी ही नहीं प्लेसमेंट एजेंसियां भी बेलगाम है। प्लेसमेंट एजेंसी और अधिकारी बेखौफ होकर शराब की दुकानें चला रहे हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, प्रदेश में 672 दुकानें संचालित है। इनके संचालन के लिए सरकार ने दिशा निर्देश दिए हैं। सभी मदिरा दुकानों में ऑडिट कर कुल बिक्री राशि का हिसाब किया जाता है। कांकेर के दो दुकानों में चोरी हुई है। इसका आंकड़ा अलग है, जिसकी रिपोर्ट भी नजदीकी थाने में कराई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ स्टेट कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कोष की राशि एडवांस में ही जमा कर दी जाती है। अब तक कोषालय में कोई रकम जमा हीं नहीं हुआ है, यह कहना सही नहीं है।

धर्मजीत सिंह ने कहा, इसी विधानसभा में लिखित में उत्तर है कि 2800 करोड़ रुपए का अब तक कोई हिसाब ही नहीं है। आपके जवाब से तो ऐसा लग रहा है कि ये जो 2500 करोड़ रुपए का केस है वह गलत है। 2800 करोड़ रुपए चिल्हर खर्च के लिए रखा भी नहीं जा सकता। जितनी दुकानें आपने बताई उन दुकानों का संचालन कौन करता है, कैसे करता है। इनकी मॉनिटरिंग के लिए कौन से अधिकारी हैं। मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, कई तरह की बातें हमें भी सुनने को मिलती रहती थी। प्लेसमेंट एजेंसियों के नाम पर कोई गड़बड़ी नहीं होगी। ट्रांसपेरेंट तरीके से सभी एजेंसियां अपना कार्य करेंगी।

धरमजीत सिंह ने कहा, प्लेसमेंट एजेंसियों के लोग इतने स्पेशलिस्ट थे कि झारखंड में भी ये अपनी ट्रेनिंग देने चले गए थे तो क्या आप सभी को बदलकर नई प्लेसमेंट एजेंसियों को नियुक्त करेंगे क्या? इस पर ओपी चौधरी ने कहा, इसी महीने उनके पेमेंट में एडजस्ट करेंगे, ताकि उनकी वसूली सुनिश्चित हो जाए। साथ ही अब नए युवाओं और एजुकेटेड लोगों को ही प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिए शामिल किया जाएगा।

क्या भाजपा सरकार में दारू बंद करने की कोई योजना है : रामकुमार

कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव ने कहा, इस सरकार में दारू बंद करने की कोई योजना है क्या? इस पर मंत्री ओपी चौधरी ने कहा, पिछली सरकार ने जन घोषणा पत्र में वादा किया था, हाथ में गंगाजल लेकर शराबबंदी का वादा किया था। हमने ऐसा कोई वादा नहीं किया था, लेकिन अवैध दारू बिक्री पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। मंत्री के जवाब पर नेताप्रतिपक्ष चरण दास महंत ने कहा, हमने कभी गंगाजल हाथ में लेकर शराबबंदी का कोई वादा ही नहीं किया था।

बजट सत्र के आठवें दिन उठा अवैध प्लॉटिंग का मुद्दा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के आठवें दिन प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक दलेश्वर साहू ने सवाल पूछा। उन्होंने डोंगरागांव नगर पंचायत में दलित गरीब महिला को राजीव आवास योजना के तहत पट्टा देने और फिर वापस लेने पर सवाल पूछा। इस पर मंत्री टंकराम ने जवाब देते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्र में पट्टा देने का प्रावधान है। जिसे वन भूमि बताकर निरस्त दिया गया। ये मामला अपर कलेक्टर के कोर्ट के पास विचाराधीन है। इस पर जब तक फैसला नहीं होता तब तक कार्रवाई नहीं की जा सकती। हालांकि मंत्री ने 6 महीने के अंदर मामले में कार्रवाई की बात कही।

भानुप्रतापपुर में चारवाहा जमीन का मुद्दा उठा- इसके बाद भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी ने सवाल पूछा। उन्होंने पूछा कि भानुप्रतापपुर के वार्ड 1, 3 और 15 में 500 गरीब परिवार पिछले 40 साल से रह रहे हैं। वहां की जमीन चारागाह जमीन में रिकॉर्ड होने के कारण उन्हें आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर मंत्री टंकराम वर्मा ने जांच का आश्वासन दिया। कांग्रेस विधायक दलेश्वर साहू ने एक बार फिर डोंगरगांव विधानसभा में कितने अतिक्रमणधारी है और कितने शासकीय और प्रॉफिट वाले हैं। कई जमीनों पर 20 से 25 एकड़ जमीन पर कोई रिसॉर्ट बना रहा है तो कोई होटल बना रहा है।

धरसीवां में अवैध प्लॉटिंग का मुद्दा- विधायक अनुज शर्मा ने विधानसभा में धरसीवां में कृषि भूमि को बिना डायवर्शन के कॉलोनी बनाया जा रहा है। कृषि भूमि को आवासीय भूमि में परिवर्तन करने और अवैध प्लॉटिंग की शिकायत मिलने पर विभाग क्या तुरंत काम को रोकने की कार्रवाई करता है। मंत्री वर्मा ने जवाब दिया कि धरसीवां में अवैध प्लॉटिंग की शिकायत आई है। रायपुर अनुभाग से 14 और तिल्दा से 5 शिकायत मिली है। ग्राम पंचायत स्तर पर एसडीएम कलेक्टर और आयुक्त कार्रवाई करते हैं। अवैध प्लॉटिंग की शिकायत पर जरूरी कार्रवाई की जा रही है। अनुज शर्मा ने फिर सवाल किया कि तुरंत रोकने के लिए क्या कार्रवाई की जाती है। क्या कृषि भूमि को आवसीय बताकर बेचने पर कोई शिकायत मिली है। इस पर जवाब दिया गया कि धरसींवा विधानसभा क्षेत्र में आवासीय बताकर कोई जमीन बेचने की शिकायत नहीं मिली।

शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं करने का आरोप- शर्मा ने सदन में शिकायत पत्र दिखाते हुए कहा कि 6 जुलाई 2002 को शिकायत पत्र लिखा गया है। जिसमें लिखा है कि धरसीवां में खसरा नंबर 12/2,-15, 13/2, 14/3 में अवैध प्लाटिंग हो रही है। साथ नाली की जमीन पर भी समतली कर कच्ची सड़क बना दी गई है। ग्रीन लेंड को आवासीय प्लॉट के रूप में बेचा जा रहा है। मंत्री जी से जवाब की मांग है। इस पर मंत्री जी क्या कार्रवाई करेंगे।

मंत्री ने कही जांच की बात- मंत्री ने जवाब दिया कि धरसीवां में कृषि भूमि को आवासीय बनाने की बहुत सी शिकायत मिली है। यदि ऐसा है शिकायत मिली है तो इसकी जांच कराएंगे जो अधिकारी दोषी है उस पर कार्रवाई होगी। शर्मा ने आगे फिर सवाल पूछा कि ऐसी जगहों पर रेरा और टीएनसी के बोर्ड लगाने के निर्देश है। क्या विभाग इसका पालन करता है। ऐसा नहीं हो रहा है तो क्या इस पर कार्रवाई करेंगे। मंत्री ने जवाब दिया- जहां अवैध प्लॉटिंग हो रही है वहां बोर्ड लगाने का निर्दश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र प्रताप सिंह ने राज्यसभा चुनाव के लिए भरा नामांकन

रायपुर। भाजपा प्रत्याशी देवेंद्र प्रताप सिंह ने

राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को विधानसभा में नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को वर्ल्ड के सबसे डायनामिक और डैशिंग लीडर बताया है। मीडिया से बातचीत करते हुए देवेंद्र प्रताप ने कहा कि नामांकन दाखिल कर बहुत अच्छा लग रहा है और बड़ी खुशी का वक्त है। उन्होंने कहा, हमारे आदिवासी वर्ग के लिए, सर्व समाज के लिए आवाज उठाएंगे। इसके लिए हमारे पार्टी, केंद्रीय नेतृत्व को और प्रदेश नेतृत्व को सारा श्रेय जाता है। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि पीएम मोदी आज वर्ल्ड के सबसे डायनामिक और डैशिंग लीडर है। उनके साथ काम करने का अवसर मिलेगा। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है और मेरा राजनीतिक जीवन सार्थक हो गया है। उनके साथ काम करके विकास के और काम करेंगे। इससे पहले देवेंद्र प्रताप का भाजपा कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर पहुंचने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह समेत कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ी होंगे शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ कराटे फेडरेशन के खिलाडियों का चयन अंतर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इसमें शामिल होने के लिए प्रदेश की बेटी स्नेहा बंजारे यूएई रवाना हो गई है। फेडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश बंजारे ने बताया कि वर्ल्ड कराटे चैंपियनशिप 16 से 25 फरवरी तक संयुक्त अरब अमीरात की ज़ायेद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स फुजैराह (यूएई) में आयोजित की जा रही है। यह प्रतियोगिता वर्ल्ड कराटे फेडरेशन जो इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी से मान्यता प्राप्त संस्था की ओर से आयोजित है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में हमारे छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ी स्नेहा बंजारे सीनियर बालिका- 68 किग्रा वजन वर्ग और सब जूनियर बालक- 35 में देवाशीष यादव व कोच खेत्रो महानंद प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित होंगे। वहीं कोरबा जिले की स्नेहा बंजारे एशियन कराते चैंपियनशिप के सिलेक्शन ट्रेल में जाने वाली पहली महिला खिलाड़ी रही है।

बंगाल में होगा ग्रामीण उद्यमिता और डिजिटल सशक्तिकरण

रायपुर। डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन पिछले 22 वर्षों से छत्तीसगढ़ समेत भारत के 26 राज्यों में डिजिटल सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। 2000 सूचना प्रेन्योर केंद्र के माध्यम से ग्रामीण भारत में डिजिटल सशक्तिकरण के साथ- साथ समुदाय के सभी वर्गों को उनका हक अधिकार डिजिटल तकनीक के माध्यम से दिलाने में प्रयासरत है। इस संस्था की ओर से दो दिवसीय महोत्सव ग्रामीण उद्यमिता और डिजिटल सशक्तिकरण महोत्सव (आरईईएफ) का आयोजन 2 और 3 मार्च को विवेकानंद सेवा केंद्र एवं शिशु उद्यान (वीएसएसयू), पश्चिम बंगाल में

किया जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़ से भी महिला समूह शामिल होंगे।

संस्था के कौशल सिन्हा ने जानकारी देते हुए कहा कि इस महोत्सव का आयोजन ग्रामीण भारत के डिजिटल नवाचार और उद्यमिता को प्रमोट करने के लिए जा रहा है। यह महोत्सव देशभर के उन तमाम सूचना प्रेन्योर को सकारात्मक वातावरण में एकत्र ऐसा मंच प्रदान करेगा, जहां ग्रामीण भारत की विभिन्न आवाजें एक स्थान पर गूंजेगी। संस्था का लक्ष्य सूचना प्रेन्यूर पुरस्कार समारोह, कलाकार पुरस्कार देशभर से ग्रामीण डिजिटल नवाचारों का प्रदर्शन, कला कारिगरी हाट, और डिजिटल प्रतिभा, उद्यमिता की उत्कृष्टता और समाज की प्रगति पर केंद्रित होने वाले कार्यशालाओं और संवादों के माध्यम से एक समृद्धि से भरा वातावरण बनाने का है।

मुख्यमंत्री की पहल पर कर रहे अयोध्या दर्शन

■ रामलला का दर्शन हमारा सौभाग्य

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर के रेल्वे स्टेशन से अयोध्या स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस आस्था ट्रेन से छत्तीसगढ़ के लगभग 1344 राम भक्त अयोध्या में राम लला के दर्शन के लिए रवाना हुए। श्रद्धालु दर्शन करने के लिए बहुत उत्साहित नजर आए महासमुंद जिले के गांव मालीडीह निवासी 60 वर्षीय श्री पूनी राम पटेल ने बताया कि बहुत पहले वे एक बार अयोध्या धाम गए थे उस समय रामलला के दर्शन नहीं हो पाए थे। इस बार प्रभु श्री राम के अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद पहली बार दर्शन करने का मौका मिला है। मन में रामलला के दर्शन करने के एक अलग खुशी महसूस हो रही है।

मालीडीह निवासी 50 वर्षीय श्री हरिशंकर पटेल ने बताया की वे पहली बार अयोध्या प्रभु श्री राम के दर्शन करने जा रहे हैं। जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा श्रद्धालुओं को रायपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए बस की व्यवस्था की गई थी। हमें किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई है। श्री पूनीराम पटेल और श्री हरिशंकर पटेल मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल से हमें प्रभु श्री राम के दर्शन करने का सौभाग्य मिला है। महासमुंद जिले के ग्राम खैरजीटी निवासी 62 वर्षीय श्री विष्णु सिन्हा भी प्रभु श्री राम के दर्शन करने के लिए आनंदित है। गांव जलक्षत्री निवासी 56 वर्षीय श्री लखनलाल ने खुशी-खुशी बताया कि वे पहली बार अयोध्या प्रभु श्री राम के दर्शन करने जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्था, साफ सुथरा ट्रेन, नाश्ता भोजन की भी उत्तम व्यस्था की गई है। मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रभु श्री राम का बुलावा आया है। मन में ऐसा ऐहसास हो रहा है। श्री पूनीराम पटेल ने बताया कि बहुत दिनों के बाद अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर बना है। मन में जिज्ञासा बनी हुई है।

मंदिर कैसा बना हुआ है। ग्राम चिरको पंचायत की 50 वर्षीय श्रीमती गोदावरी साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री जी आशीर्वाद से प्रभु श्री राम के दर्शन करने का मौका मिलेगा श्रद्धालुओं ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन हमारी संस्कृति, गौरव को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। हमारे आने वाले पीढ़ी के लिए बहुत अच्छा अवसर है। बच्चों को हमारी संस्कृति, संस्कार को समझने का अवसर मिल रहा है।

किसान आंदोलन पर पूर्व सीएम बघेल का बीजेपी पर तंज

छत्तीसगढ़ की तरह देश के किसानों को मिले एमएसपी

रायपुर। देश के किसानों के आंदोलन को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि हम किसानों के साथ है। छत्तीसगढ़ में धान की भारतीय जनता पार्टी ने 3100 रुपये की घोषणा की है। जब छत्तीसगढ़ में 3100 रुपये दिया जा सकता है, तो देश के किसानों के लिए एमएसपी क्यों नहीं मिलना चाहिए? एमएसपी की गारंटी क्यों नहीं होना चाहिए? उसके लिए किसानों को आंदोलन की आवश्यकता क्यों पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार 5 साल पहले छत्तीसगढ़ के किसानों को 2500 रुपये देने का वादा किया था। हमने 5 साल पूरा 2500 रुपये बल्कि उससे बढ़कर 2600 रुपये दिया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने कर दिखाया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी एक राज्य में 3100 रुपये देने की घोषणा की है। इसे बजट में भी शामिल किया है। भले

ही मिला है या नहीं मिला है। अलग बात है लेकिन बजट में शामिल तो है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 3100 रुपये दे रहे हैं। समर्थन मूल्य से ज्यादा दे रहे हैं। पूरे देश में क्यों नहीं मिलना चाहिए? किसान आंदोलन कर रहे हैं तो पूरी समर्थन हम लोगों का है। पूरे देश की किसानों को 3100 रुपये धान की कीमत मिलनी चाहिए। इस प्रकार से दूसरे और भी उत्पाद हैं। उसका भी समर्थन मूल्य होना चाहिए।

पूर्व सीएम ने कहा कि कल अंबिकापुर में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने घोषणा की। जितने भी उत्पाद हैं उसको एमएसपी से खरीदी करेंगे। भाजपा के पास अब तो कुछ बचता नहीं है। क्योंकि एक राज्य में दे रही है, बाकी राज्यों में नहीं अलग-अलग कैसे हो सकता है। अनुराग अनुराग ठाकुर के कांग्रेस एमएसपी असफल की बात पर पूर्व सीएम बघेल पलटवार करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ही उदाहरण है। हम 2500 रुपए बोले से उसे 2640 रुपए में खरीदी किए हैं और एमएसपी शुरू करने के काम कांग्रेस पार्टी ने किया है। दूसरे सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में पहली बार के विधायक, मंत्री और उपमुख्यमंत्री बने हैं। नियम की जानकारी भी नहीं है धीरे-धीरे सीख जाएंगे कोई बात नहीं है, लेकिन अभी लगातार घेरते भी जा रहे हैं और मंत्री घोषणा भी करते जा रहे हैं। पूरे प्रदेश में किसानों की राशि का भुगतान नहीं हुआ है। बैंक में लिमिट कर दिया गया है। किसान अपना ही पैसा नहीं निकल पा रहे हैं। दरबार लगेगा तो मंत्रियों को यह जानकारी होगी।

जेईई मेंस में वाइब्रेंट एकेडमी का वर्चस्व कायम

अवनीश पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ में किया टॉप

रायपुर। जेईई मेंस के प्रथम चरण का परिणाम 13 फरवरी को घोषित कर दिया गया है। इसमें बिलासपुर वाइब्रेंट अकादमी के छात्र-छात्राओं ने लगातार चौथे साल ऐतिहासिक परिणाम लेकर आए हैं।

वाइब्रेंट अकादमी के अवनीश पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ में टॉप करते हुए 99.959 परसेंट, वेदांत ओटवानी ने 99.537 परसेंट, एंजेल वाधवानी ने 98.285 परसेंट, कृष दुबे ने 96.0344, आदित्य साहू ने 96.939, राहुल सिंह ने 95.939, निखिल सोनी ने 95.814, सेला कार्तिकेय ने 95.044, आयुष बसक ने 94.72, हर्ष अग्रवाल ने 93.841, क्षितिज माहेश्वरी ने 93.741, भविष्य वर्मा ने 93.71 परसेंट और 20 अन्य छात्र-छात्राओं ने 90 परसेंट से ज्यादा नंबर प्राप्त कर अपने माता-पिता, अपने शहर और संस्था का नाम उज्ज्वल किया।

संस्था के ब्रांच हेड रौशन पाण्डेय ने बताया कि निरंतर हर साल संस्था छत्तीसगढ़ के अनेक क्षेत्रों से आए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए कार्य करते आ रही है। इसका प्रतिबिम्ब छात्रों के परिणाम स्वरूप नजर आ रहे हैं। पिछले साल सौरभ वर्मा ने छत्तीशगढ़ में टॉप करते हुए आल इंडिया में 127 रैंक प्राप्त किया था। साथ ही अन्य 16 छात्रों ने भी अलग-अलग अग्रणी आईआईटी प्राप्त किया था। 2021 और 2020 में सान्या मित्तल और शिखर अग्रवाल ने क्रमशः 365 और 247 रैंक प्राप्त किया था। संस्था के प्रख्यात शिक्षक दीपक तिवारी मैथ्स, विवेक सिंह और अन्य सभी शिक्षिकों ने बच्चों के ऐसे परिणाम की तारीफ करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गौसेवकों ने पकड़ा गायों से भरा कंटेनर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में गौ-तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है। एक कंटेनर में लगभग 100 गायों की तस्करी की जा रही थी। रायपुर-दुर्ग के बीच कुम्हारी नाका में गौसेवकों ने गायों से भरा कंटेनर को पकड़ा है। जानकारी के अनुसार, 100 में से लगभग 13 गायों की मौत हो गई है। इसके साथ ही कई पैर भी टूटे हुए हैं। मामले में कुम्हारी पुलिस जांच में जुटी है। वहीं इस मामले में पूर्व सीएम बुपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर प्रतिक्रिया दी है।

बताया जा रहा है कि यह मामला मंगलवार देर रात का है। जहां बड़ी संख्या में गो-तस्करी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था। जिस कंटेनर में तस्करी की जा रही थी, उस कंटेनर की पहचान छुपाने के

लिए नकली नंबर प्लेट लगाया गया था। गायों से भरा कंटेनर को गोसेवकों ने पकड़ लिया। इसके बाद जमकर बवाल मचा। वहीं गोसेवकों द्वारा जरवाय स्थित गोठान में मवेशियों को लाया गया है। गो-तस्करी मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि यह दृश्य देखकर बहुत दुख हो रहा है। सूचना मिली है कि रायपुर में हीरापुर के पास ग्रामीणों ने एक ट्रक पकड़ा है, जिसमें लगभग 100 गायें थी। पता चला है 13 गायों की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की सरकार आते ही तस्करी और गौ माता पर अत्याचार का सिलसिला फिर शुरू हो गया। इन तस्करों के गिरोह और शासन में बैठे गौ हत्यारों को सामने आकर जवाब देना होगा।

100 गायों की तस्करी करने वाला कंटेनर राजधानी की सड़क से गुजरा : राम कुमार

कांग्रेस विधायक राम कुमार यादव ने विधानसभा में गायों की तस्करी का मामला उठाया। इस दौरान विपक्ष ने सदन में हंगामा करते हुए गौ हत्या बंद करो के नारे भी लगाए। राम कुमार ने कहा, 100 गायों को कंटेनर से ले जाते हुए राजधानी की सड़क से गुजर रही है। 13 गौ माता की हत्या की गई है। अब तक छत्तीसगढ़ बनने के बाद यह राजधानी में पहली घटना है। वहीं पूर्व मंत्री उमेश पटेल ने कहा, जब हमने गौठान की व्यवस्था बनाई थी तो सवाल उठाया जाता था। लेकिन इनके पास अब कोई व्यवस्था नहीं है। कंटेनर में 100 गायों को लेकर तस्करी किया जा रहा था। 13 गायों की मौत हुई है। कांग्रेस के मुद्दे पर विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा, गंभीर विषय पर आप लोगों ने ध्यान आकर्षित कराया है। सरकार के ध्यान में बात आ गई है। अब ध्यानाकर्षण पर इस मामले को लेकर चर्चा होगी।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

cProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सिस्टम क. 150261/निविदा सूचना क्र. 08/व.ले.लि./ई-प्रोक्युरमेंट/2023-24 दिनांक 26.12.2023 के द्वारा मुरूमसिल्ली बांध के नीचे पहुंच मार्ग (निरीक्षण रोड) एवं संरचनओं का निर्माण कार्य के निविदा के प्रथम आमंत्रण में एक ही निविदाकार को योग्य पाये जाने के कारण प्रतिस्पर्धा के अभाव में निविदा निरस्त की जाती है, जिसका सूचना प्रकाशन क. जी. नं. 06723 है।

कार्यपालन अभियंता
जल प्रबंध संभाग रूद्री
कोड नं. 38 (छ.ग.)
वास्ते- मुख्य अभियंता,
महा. परि. जल संसाधन विभाग रायपुर

जी-07765/8

मोदी के लिए इतनी भी आसान नहीं है रायसीना की राह

अनिल तिवारी

आजकल समाचारों की सुर्खियों में राम लहर के साथ मोदी के लिए अबकी बार 400 पार के साथ ही इंडिया गठबंधन बिखर जाने की खबरें छाई हुई है। विभिन्न माध्यमों से आम मतदाताओं के बीच यह धारणा बनाई जा रही है कि चुनाव के नतीजे लगभग तय हो चुके हैं। खुद प्रधानमंत्री एवं उनकी टीम के नेता अपनी बातों एवं अनुकूलित मीडिया के जरिए अवधारणा के स्तर पर जनता में यह संदेश देने की लगातार कोशिश कर रहे हैं कि वे और उनका गठबंधन ही देश की असली गारंटी है। हालांकि कई अंतरविरोधों से ग्रस्त इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के लगातार बिखराव और कलहकारी परिदृश्य भाजपानीत-एनडीए के दावों को पुख्ता करने के लिए खाद-पानी का काम कर रहे हैं, लेकिन प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती। गठबंधन की उठा पटक से ठीक पहले तीन राज्यों में बुरी तरह हार चुकी कांग्रेस न्याय यात्रा के जरिए रणनीतिक तरीके से सरकार को घेरने की हर संभव कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता पाहुल गांधी अपनी सभाओं में छात्रों, नौजवानों, गरीबों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों,किसानों के मूलभूत मुद्दों को आगे कर मोदी सरकार की नीतियों पर लगातार प्रहार कर रहे हैं। यानी एक दूसरे को मात देने के लिए मतदान से पहले यह लड़ाई खबरों से लड़ी जा रही है। तीसरी बार भी मोदी ही सरकार, अथवा अबकी बार 400 के पार का नारा चुनाव की घोषणा के पहले ही दिया जा रहा है। भाजपा के छोटे से लेकर बड़े नेता उठते बैठते इस स्लोगन को दोहरा रहे हैं। वही टीम राहुल से जुड़े लोग चुनिंदा बड़े उद्योगपतियों को निशाने पर लेकर सरकार पर गरीबों का हक मारने, आर्थिक लूट के आरोप मढ कर अपनी दलीलें पेश कर रहे हैं। यह मतदाताओं की राजनीतिक भूमिका निभाने की क्षमता को प्रभावित करने की कोशिश जैसा दिखता है। टेक कंपनियों की मदद से खबरों के इको चेंबर का निर्माण कर विचारधारा के प्रभाव से मुक्त नए मतदाताओं की राजनीतिक समझ को कुंद करने की कोशिश जैसी लगती है। बाजार द्वारा उपलब्ध आंकड़ों और कृत्रिम मेधा की मदद से एक-एक मतदाता की भावनात्मक कमजोरी के हिसाब से उसे चुभने वाले राजनीतिक असरकारी संवाद परोसे जा रहे हैं। इस मामले में कोई भी दल पीछे नहीं है, लेकिन विशाल वैभव के सहारे सत्ता पक्ष ऐसी अवधारणाएं गढ़ने में सबसे आगे है। भाजपा भले ही 400 पार का नारा लगा रही है, मगर इसे पाना बहुत आसान काम नहीं है। वर्तमान को देखकर यह कतई नहीं कहा जा सकता कि 2024 के चुनाव में इंडिया गठबंधन भाजपा के विजय रथ को लगाम दे सकता है, लेकिन मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि खेल अभी उतना आसान नहीं है जितना बीजेपी की ओर से दावे किए जा रहे हैं। जो लोग दुहाई दे रहे हैं कि राम मंदिर मसले के बाद पूरा देश राम मय हो गया है और भाजपा बड़े अंतर से चुनाव जीतेगी, यह ऐसा सोचने वालों की महज कोरी कल्पना है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर पूरा देश खुश और संतुष्ट है। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में भारत के प्रति सहानभूति रखने वाले भी गदगद है। लेकिन वोट को लेकर राम मंदिर निर्माण का असर आधिकाधिक हिंदी प्रदेशों पर ही पड़ेगा जहां पहले से ही भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी है। कहने का आशय यह है कि इस मुद्दे का जितना अधिकतम फायदा मिलना था, 2019 के चुनाव में मिल चुका है। 2024 में भाजपा के लिए यह मुद्दा कोई खास करिश्मा करेगा इसमें संदेह है। यही कारण है कि मंदिर उद्घाटन और राम के नाम का खुलेआम राजनीतिकरण कर सत्ता की हैट्रिक लगाने का सपना देखने वाली भारतीय जनता पार्टी भी इंडिया गठबंधन से सहमी हुई है। इसी असुरक्षा का नतीजा था कि जिस नीतीश कुमार के लिए भाजपा ने अपने दरवाजे सदा सदा के लिए बंद कर दिए थे, अब खुशी-खुशी रेड कारपेट बिछाकर उनकी अगवानी करनी पड़ी है। उत्तर प्रदेश में 2019 की परफॉर्मेंस को बरकरार रखने के लिए जाट बिरादरी के किसान नेता चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न देकर उनके पोते जयंत चौधरी से गलबहियां करनी पड़ी।

मोदी की नीति जीत की गारंटी

ललित गर्ग

2024 के आम चुनावों का रण सज चुका है, कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने भी कमर कस ली है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर बैठकों, मुलाकातों एवं चुनावी गणित को फीट करने का दौर चल रहा है, एक तरफ भाजपा 2 हफ्ते बाद उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन मकर संक्रांति के बाद सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फाइनल करने वाला है, लेकिन भाजपा ने स्वयं 370 एवं उसके गठबंधन का 400 का लक्ष्य लेकर ही चल रही है। हाल ही में एक मीडिया हाउस के सर्वे के अनुसार भाजपा को भले ही 2019 की तुलना में केवल एक सीट का फायदा हो रहा है, भले नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है लेकिन उनके गठबंधन को करीब 17 सीटों का नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। हो सकता है अन्य माध्यमों से भी ऐसी ही सूचनाएं भाजपा को मिल रही हो, इसलिये उसने 400 के लक्ष्य को हासिल करने का ठाना है। भाजपा एवं मोदी की चुनावी रणनीतियों एवं विश्वास से ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर धमाकेदार जीत दर्ज कर अपनी हैट्रिक पूरी करेगी। इस जीत के बाद भारत में बड़े बदलाव एवं क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। राजनीति, प्रशासनिक, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में आमूल-चूल परिवर्तन हो तो कोई आश्चर्य नहीं है।

नरेन्द्र मोदी, उनके राजनीतिक सलाहकार एवं भाजपा सम्भवतः इस मोड पर पहुंच गए हैं कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें जितने तरह का रणनीतिक प्रबंधन करने जरूरी थे, वे सफलतापूर्वक किये जा चुके हैं या जल्द ही कामयाबी से कर लिये जाएंगे। जितनी कमजोर कड़ियां थीं, उनकी मरम्मत कर ली गई है। जिन राज्यों में खराब दृश्य दिख रहे हैं, वहां भाजपा पूरी ताकत से लगी है। भाजपा ने 164 ऐसी सीटों की दो कैटेगरी तैयार कर ली है जहां 45 मंत्रियों को जी-जान से जुटने को कहा गया है, भाजपा कमजोर सीटों पर सबसे ज्यादा जोर लगा रही है क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा की 48 ऐसी सीटें थीं जहां जीत का अंतर 2 प्रतिशत से भी कम था, इन सीटों पर विपक्षी गठबंधन अगर एक उम्मीदवार उतार देता है तो भाजपा के लिए बड़ी चुनौती हो सकती है। ऐसी ही खतरे वाली सीटों के लिये भाजपा की तीक्ष्ण एवं प्रभावी रणनीतियां बन रही है। ऐसी ही रणनीतियां से समूचे राष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्यों को बदलने एवं अपने पक्ष में करने के लिये भाजपा जुटी है। इसके लिये प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़े बड़े फैसले लिये जा रहे हैं। नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा जा रहा है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाया गया है।

जब इतना बढ़िया, कौशलपूर्ण और प्रभावी राजनीतिक प्रबंधन हो चुका हो तो चार सौ का लक्ष्य हासिल करना भाजपा के लिये असंभव प्रतीत नहीं होता। वैसे प्रधानमंत्री के रूप में देश की जनता नरेन्द्र मोदी को ही सर्वाधिक पसन्द कर रही है, एक अनुशासित एवं राष्ट्रीय मूल्यों से प्रेरित पार्टी के रूप में भाजपा कायम है। मोदी का राजनीतिक कौशल ही है कि आम तौर से सरकारें चुनाव से पहले अपना खजाना खोलती हैं, लेकिन मोदी बिना खजाना खोले एवं लोकलुभावना घोषणाओं के चुनावी वैतरणी को सफलतापूर्वक पार करने की रणनीति बना रही है। मोदी जानते हैं कि लोकलुभावन योजनाएं या लाभार्थियों का संसार अपने आप वोटों में नहीं बदलता। उसके तीन स्तरों पर काम करना होता है। राज्यों के स्तर पर जहां अपनी स्थिति लगातार मजबूत करना जरूरी होता है, नेताओं के स्तर पर जो विभिन्न समुदायों की नुमाइंदगी करते हैं और समुदायों के स्तर पर जिन्हें लगातार पार्टी के साथ जोड़ने का अभियान चलाना पड़ता है। एक और स्तर इस बार के चुनावी गणित को प्रभावित करती हुई प्रतीत हो रही है, वह है मोदी का राजनीतिक कौशल एवं देश-विकास का उनका संकल्प। निश्चित ही मोदी भारतीय राजनीति में विश्वास और विकास के नायक हैं तो वैश्विक पटल पर महानायक बनकर देश और दुनिया को दिशा दिखा रहे हैं। कतर की जेल में बंद आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और उनमें से सात का स्वदेश आ जाना एक ऐसी शुभ सूचना है, जिससे पूरे देश ने चैन की सांस ली है। इन भारतीयों की सकुशल रिहाई भारत की एक शानदार कूटनीतिक जीत है। यदि इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया जा रहा है तो स्वाभाविक ही है, क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले दुबई में कतर के शासक से मुलाकात की थी। मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है। यही कारण है कि उनकी छत्रछाया में भारत में राष्ट्रवाद का रंग गहरा हुआ है और भारत विश्वगुरु बनने की राह पर चल पड़ा है।

आगामी लोकसभा चुनाव विशेष होंगे। इन चुनावों में विपक्षी दल कुछ अनूठा एवं विशेष कर पायेंगे, ऐसी संभावनाएं हर दिन कमजोर ही होती जा रही है। राहुल गांधी की यात्रा भी कोई प्रभाव स्थापित नहीं कर पा रही है, बल्कि कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन से विभिन्न दल दूरी बना रहे हैं। यह चुनाव पहले ही उनकी असफलता की घोषणा है। इधर मोदी के प्रति लोगों का आकर्षण कायम है। इसका बड़ा कारण मोदी की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय छवि कायम रहना है। मोदी ने अनेक चमत्कार घटित किये हैं, जिसका अहसास देश की जनता को है। यूक्रेन युद्ध के समय वहां फंसे भारतीयों को वापस लाना हो या कोरोना के दौरान दुनिया भर में टीका भेजना, ये सभी नरेंद्र मोदी की वैश्विक सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था।

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि प्रधानमंत्री के कार्यकाल की अनेक सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जिनमें चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर किया जा रहा है। भारत में जी-20 देशों महासम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां-जहां भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है। दूसरी ओर कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है। कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है। कांग्रेस की उलटी गिनतियां चल रही हैं। उसकी उल्टी गिनती तो लम्बी चलेगी। पर जनता के दिमाग में एक बात गहरे तक बैठी हुई है कि मोदी के नेतृत्व में सब कुछ बदल जाएगा, भारत सशक्त हो जायेगा, सब कुछ अच्छा हो जाएगा एवं सब कुछ श्रेष्ठ हो जाएगा। जनता की यही सोच आम चुनाव की तस्वीर को स्पष्ट करते हुए भाजपा को ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर कर रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-6)

गतांक से आगे...

उसे विश्वास नहीं हुआ कि यह कोई चीज़ है, और उसने इसके बारे में नहीं सोचा। कामुक सुखों से चंचल उसका मन, अस्तित्व ही समाप्त हो गया। भारी टूटने के सुख से, वह धाराओं से चातक की तरह था।

इस प्रकार अपनी सूक्ष्म बुद्धि के द्वारा श्री शुकदेव मुनि ने सभी कुछ जान लिया तथा स्वयं प्राप्त हुए परमात्मतत्त्व में वे अविश्रान्त सतत लगे रहने वाले मन से प्रतिष्ठित हुए। इस प्रकार का विश्वास उनकी आत्मा में प्राप्त हो गया कि यही वस्तु है, इससे भिन्न और कुछ भी नहीं है। जिस प्रकार जलद के धारा प्रपात से सन्तुष्ट हुए चातक की चंचलता दूर हो जाती है, उसी प्रकार शुकदेव जी का चित्त विभिन्न तरह के भोगों से प्रादुर्भूत विषय-चापल्य से विरत होकर कैवल्यावस्था को प्राप्त हो गया।

एक समय वह शुद्ध बुद्धि का था और मीरा में अकेला था। बड़ी भक्ति के साथ उन्होंने अपने पिता, ऋषि कृष्ण द्वैपायन व्यास से पूछताछ की। हे ऋषि, संसार की यह असारता कैसे उत्पन्न हो गई? कृपया मुझे बताएं कि यह राहत कैसे मिलती है, यह क्या है, किसकी है और कब है।

एक बार उन प्रज्ञावान् मनीषी श्री शुकदेव जी ने मेरु पर्वत पर एकान्त में प्रतिष्ठित अपने पिता श्रीकृष्ण द्वैपायन मुनि के आश्रम में जाकर भक्तिपूर्वक अर्चना करके पूछा- हे श्रेष्ठ मुने! इस जगत् रूप प्रपञ्च का प्राकट्य किस प्रकार हुआ और इसका विनाश कैसे होता है? यह क्या है? किसका है और इसकी उत्पत्ति कब हुई? यह सभी कुछ कृपापूर्वक हमें बताने का अनुग्रह करें।

जब ऋषि व्यासदेव ने इस प्रकार अपनी पुत्री से पूछा, तो उन्होंने उसे सब कुछ समझाया। जो व्यक्ति आत्मा को जानता है उसे हर बात वैसे ही समझानी चाहिए जैसी समझाई गई है।

क्रमशः...

कैप्टन राम सिंह ठाकुर

कैप्टन राम सिंह का जन्म 15 अगस्त 1914 में धर्मशाला के गाँव खनियारा में एक फौजी परिवार में हुआ था। राम सिंह ठाकुर मिडिल स्तर तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद 1928 में 14 वर्ष की आयु में सेकंड फर्स्ट गोरखा राइफल के बॉयबैंड में भर्ती हुए। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान 23 अगस्त 1941 को राम सिंह ठाकुर व उनके साथियों को अंग्रेजी सेना के अधीन अग्रिम मोर्चा में दुश्मन सेना के विरुद्ध मोर्चा लेने के लिए मुंबई से मलाया-सिंगापुर जाने का आदेश हुआ। दिसंबर 1941 को जापानी सेनाओं ने मलाया-सिंगापुर और फिर थाईलैंड में जोरदार हमला बोल दिया। फरवरी 1942 में युद्ध सामग्री, गोला बारूद और खाद्यान्न के घोर अभाव के कारण अंग्रेजी सेनाओं को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस युद्ध में जापानी सेना ने लगभग 55 हज़ार भारतीय सैनिकों को बंदी बना लिया जो अंग्रेजी सेना की तरफ से लड़ रहे थे। इन हालातों में राम सिंह ठाकुर भी जापानी सेना के हाथों पकड़े गए। जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अधीन आजाद हिंद फौज का गठन हुआ तो उसमें कैप्टन राम सिंह ठाकुर भी शामिल हो गए। संगीत में विशेष दक्षता रखने की वजह से तथा संगीत के प्रति उनकी अधिक रूचि, लगन और मेहनत को ध्यान में रखते हुए राम सिंह ठाकुर को आई.एन.ए. बैंड में कप्तान रैंक से नवाजा गया। आजाद हिंद रेडियो स्थापित होने के उपरांत कैप्टन रामसिंह ठाकुर सिंगापुर और रंगून रेडियो स्टेशन में संगीत निर्देशक के रूप में कार्य करते रहे।

3 जुलाई 1943 को नेताजी सिंगापुर पहुंचे तो उनके स्वागत व सम्मान में कैप्टन राम सिंह ठाकुर के निर्देशन में एक गीत सुभाष जी, सुभाष जी, वो जाने हिन्द आ गए, हे नाज जिस पर हिन्द को, वो शान ए हिन्द आ गए प्रस्तुत किया गया। नेताजी इस गीत को सुनकर अति प्रभावित हुए। 23 जनवरी 1940 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस के उत्सव पर कैप्टन राम सिंह ठाकुर को नेता जी द्वारा स्वर्ण पदक से अलंकृत किया गया। मई 1945 में अंग्रेजी सेना ने रंगून पर दूसरी बार अपना कब्जा जमा लिया, जिसकी वजह से आजाद हिंद फौज के अन्य सैनिकों के साथ कैप्टन राम सिंह ठाकुर को भी जंगी कैदी बनाया गया और उन्हें भारत लाकर दिल्ली के लाल किले की जेल में बंद कर दिया गया। परंतु यह कैप्टन राम सिंह ठाकुर की खुद खुशकिस्मती थी कि जनरल शाहनवाज,कर्नल ढिल्लों और कर्नल सहगल का केस अंग्रेज सरकार हार गई जिसकी वजह से अंग्रेजी सरकार को मजबूर होकर आजाद हिंद फौज के सभी जंगी कैदियों के साथ कैप्टन राम सिंह ठाकुर को भी रिहा करना पड़ा। आखिरकार 15 अगस्त 1947 में भारत आजाद हो गया। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जब ऐतिहासिक लाल किले में राष्ट्रीय ध्वज फहराने लगे तो पंडित नेहरू जी के विशेष अनुरोध पर कैप्टन राम सिंह ठाकुर के निर्देशन में आई एन ए आर्केस्ट्रा कलाकारों द्वारा आजाद हिंद फौज का कौमी तराना शुभ चैन की बरखा बरसे, भारत भाग्य है जागा की धुन बजाई गई। बाद में आगे चलकर यही धुन हमारे स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय गान 'जन गण मन अधिनायक जय है भारत भाग्य विधाता' के लिए अपनाई गई।

कतर में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

अनिल त्रिगुणायत

सोमवार को चिंतित भारतीयों, विशेषकर कतर में बंदी पूर्व भारतीय नौसेना के अधिकारियों के परिजनों, ने उनकी रिहाई और देश वापसी से राहत की सांस ली। ये पूर्व सैन्य अधिकारी एक कंपनी के लिए काम करते थे, जो कतर में इतालवी पनडुब्बियों के स्थापित करने की एक परियोजना से जुड़ी हुई थी। इन पर जासूसी करने और इस्राइल को जानकारी देने का आरोप लगाया गया था, पर इस संबंध में कोई ठोस सबूत मुहैया नहीं कराया गया था। दूसरे देशों की कानूनी भाषा और सजा देने की प्रक्रिया की अपनी चुनौतियां होती हैं। भारत ने बहुत अच्छी तरह से कूटनीतिक कोशिश की और कतर की कानूनी प्रक्रिया को पूरा सम्मान दिया। साथ ही, पूर्व नौसैनिकों की रिहाई के लिए भारत उस क्षेत्र के मित्र देशों के संपर्क में भी बना रहा। निचली अदालत द्वारा पूर्व सैनिकों को मौत की सजा देना एक चिंताजनक मोड़ था, जिसके बाद भारतीय जनमानस की ओर से सरकार से पुरजोर कोशिश करने की मांग उठने लगी। ऐसी स्थितियों में बेसिर-पैर की अफवाहों को फैलने का मौका मिल जाता है। कतर के मामले में भी ऐसा ही हुआ। लेकिन जो हुआ, सो अच्छा हुआ, जैसा कि कहा जाता है- अंत भला, तो सब भला। भारत सरकार ने 18 महीने बाद अपने नागरिकों को रिहा करने और वापस भेजने के कतर के अमीर के फैसले के प्रति आभार जताया है। यह प्रकरण भारत सरकार की उस नीति के अनुरूप है, जिसके तहत शांति की स्थिति में विदेशों में भारतीयों को हर संभव सहायता मुहैया कराने या युद्ध क्षेत्रों से उन्हें सकुशल निकालने का संकल्प है।

खाड़ी और पश्चिम एशिया के अन्य देशों की तरह भारत और कतर के द्विपक्षीय संबंध भी बहुआयामी हैं। करीब साढ़े आठ लाख भारतीय कतर में कार्यरत हैं और उस क्षेत्र में कतर उन शुरुआती देशों में हैं, जिनके साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग का समझौता है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में कतर से प्राकृतिक गैस आपूर्ति की अहम भूमिका रही है। हाल ही में दोनों देशों ने गैस खरीद से जुड़े एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 20 अरब डॉलर के स्तर के करीब है। विभिन्न क्षेत्रों में कतरी निवेश भी बढ़ा है तथा कतर में लगभग 15 हजार भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। कतर में दूसरे देशों के लोगों में सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है और कतर के विकास में उनके योगदान की सराहना वहां के नेतृत्व और लोगों द्वारा हमेशा की जाती रही है। कतर में हाल में आयोजित फुटबॉल विश्व कप, जो कतर के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, को सफल बनाने में भारतीय कामगारों और कंपनियों ने कोई कसर नहीं उठा रखी थी। कतर के नेतृत्व को इसका पूरा अहसास है। ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और कार्यरत लोग किसी भी संबंध में महत्वपूर्ण तत्व हो सकते हैं और भारत एवं कतर का संबंध कोई अपवाद नहीं है, पर इस संबंध में एक प्रभावशाली कारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल थानी के बीच परस्पर सम्मान और निकटता है। प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने के बाद शेख तमीम भारत दौरा (मार्च 2015) करने वाले पहले अरब नेता थे। उसके अगले साल प्रधानमंत्री मोदी ने कतर की यात्रा की थी। उसके बाद उनकी कई मुलाकातें और बातचीत हुई हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर वहां चार बार जा चुके हैं। कतर और अरब लीग के बीच तनातनी (2017-2021) के दौरान भारत के समर्थन में वृद्धि ही हुई थी। युसुफ अली के लूलू चेन के जरिये चीजों की आपूर्ति को बहुत सराहा गया था। खैर, पूर्व नौसैनिकों की रिहाई से इस संबंध में और मजबूती आयेगी।

पिछले साल एक दिसंबर को दुबई जलवायु सम्मेलन के आयोजन के मौके पर प्रधानमंत्री और अमीर की मुलाकात हुई थी और ऐसा कहा गया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने बंदी पूर्व सैनिकों को लेकर चिंता जाहिर की थी। माना जाता है कि वहां एक समझ बनी थी और उम्मीद बंधी थी कि कोई रास्ता निकलेगा। कुछ ही हफ्तों में ऊपरी अदालत ने मौत की सजा को निरस्त कर दिया। हाल में मैं प्रतिष्ठित 'दोहा फोरम' की बैठक के लिए कतर गया था। वहां के कुछ अधिकारियों से बातचीत से मुझे लगा कि देर-सबेर पूर्व नौसैनिक रिहा कर दिये जायेंगे, खासकर रमजान के महीने में, जब आम तौर पर अमीर कई लोगों को माफी देते हैं। लेकिन ऐसा पहले हो जाने से इंगित होता है कि कतरी नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी और अमीर तमीम की 14 फरवरी की भेंट से पहले इस मसले को हल कर लेना चाहता था। यह परस्पर सम्मान, हित और संवेदनशीलता के सिद्धांत का सूचक है। लागत व लाभ का विश्लेषण कूटनीति एवं रणनीति का निचोड़ है। बिना किसी शोर-शराबे या धार्मिक पृष्ठभूमि के हुई रिहाई कतर के विवेकपूर्ण कूटनीति का एक और परिचायक है, जिसने उसे हाल के कई संकटों के समाधान के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। अंतरराष्ट्रीय विमर्श में उसका हस्तक्षेप उसके वजन से कहीं अधिक है। कतर के प्रयासों से तालिबान से पांच अमेरिकी बंधक छुड़ाये गये, वहीं अमेरिका और तालिबान के बीच 'दोहा समझौता' हुआ तथा अफगानिस्तान में फंसे बड़ी संख्या में विदेशियों को निकालने का ठीहा भी कतर रहा। कतर ने इस्राइल और हमास के नेतृत्व वाले गाजा के बीच संपर्क और राहत मुहैया कराने में बड़ी भूमिका निभायी है। इस्राइली राष्ट्रपति तक लंबे समय से कतर के प्रति आभार व्यक्त करते रहे हैं। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तीखे बयानों के बावजूद इस्राइल और हमास के बीच जारी मौजूदा लड़ाई में भी मिस्र के साथ कतर बंधकों की रिहाई, गाजा में मानवीय राहत भेजने और दोनों पक्षों के बीच लंबा युद्धविराम कराने के लिए भी मध्यस्थता कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी पूर्व भारतीय नौसैनिक अधिकारियों की रिहाई के प्रयास में व्यक्तिगत रूप से लगे हुए थे और रिहा अधिकारियों ने भी उनके प्रति अपनी आजादी के लिए आभार जताया है। प्रधानमंत्री मोदी 13 और 14 फरवरी को उस क्षेत्र में सबसे बड़े हिंदू मंदिर के उद्घाटन के लिए अबू धाबी में हैं और वे अपने मित्र शेख तमीम को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद देने तथा द्विपक्षीय संबंधों को विस्तार देने के लिए कतर की राजधानी दोहा भी जा रहे हैं। वे संयुक्त अरब अमीरात और कतर के नेताओं से उस क्षेत्र की स्थिति, खासकर गाजा और लाल सागर, के बारे में भी चर्चा करेंगे, जो भारत के लिए बड़ी चिंता के विषय हैं।

आज का इतिहास

1945 जर्मनी ने पूर्वी मोर्चा पर ऑपरेशन संक्रांति शुरू की।
1949 जेराल्ड के वेस्ट बैंक क्षेत्र में क्यूमरान गुफाओं की गेराल्ड लैन्केस्टर हार्डिंग और रोलैंड डी वॉक्स ने उत्खनन गुफा 1 की खुदाई शुरू की, जो पहले सात डेड सी स्क्रॉल का दीक्षांत समारोह था।
1954 कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका दूर के अर्ली वार्निंग लाइन, कनाडा और अलास्का के सुदूर उत्तरी आर्कटिक क्षेत्रों में रडार स्टेशनों की एक प्रणाली के निर्माण के लिए सहमत हैं।
1957 आंद्रेई ग्रोमीको सोवियत संघ के विदेश मंत्री बने।
1961 बेल्जियम में बोइंग 707 विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 73 लोगों की मौत हुई।
1965 मैपल (एक प्रकार का छायादार वृक्ष) के पत्ते को कनाडा के आधिकारिक ध्वज में स्थान मिला।
1965 कनाडा ने कनाडा के RedEnsign की जगह मेपल लीफ ध्वज को अपनाया।
1976 सोवियत संघ और पूर्वी ब्लॉक देशों के आधार पर सरकार और कानून की एक प्रणाली प्रदान करने वाले क्यूबा के वर्तमान संविधान को एक राष्ट्रीय जनमत संग्रह द्वारा अपनाया गया था।
1979 डॉन डंस्टन ने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख के रूप में इस्तीफा दे दिया, व्यापक सामाजिक उदारीकरण को समाप्त कर दिया।
1989 सोवियत संघ ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि उसके सभी सैनिक नौ साल के संघर्ष के बाद अफगानिस्तान से वापस आ गए।
1991 ट्रॉय स्टेट सेटा एनसीएए डिव ढ्ढ को दूसरे स्थान पर 103 अंक के साथ 187-117 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रखा गया।
1992 जेफरी डेहमर ने 15 लड़कों की हत्या के लिए दोषी पाया।
1995 चीन में पीपल्स रिपब्लिक की जनसंख्या 1.2 बिलियन है।
1995 उस समय संयुक्त राज्य अमेरिका में सर्वाधिक वांछित कंप्यूटर हैकर केविन मिटनिक को गिरफ्तार किया गया और कंप्यूटर धोखाधड़ी और वायर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए।
1996 एक लंबा मार्च 3 बी रॉकेट संचार उपग्रहइंटेलसैट 708 ले जा रहा था, जो चीन के ज़ीचांग सैटेलाइटलॉन्च सेंटर से लॉन्च करने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, पास के एक शहर को नष्ट कर दिया और निवासियों के एक अज्ञात व्यक्ति को मार डाला।
1997 टॉड एल्ड्रिज ने यूएस मेल फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप जीती।
1998 डेल अंडेलिंग, एक प्रसिद्ध गोल्फ खिलाड़ी ने लॉस एंजिल्स महिला गोल्फ प्रतियोगिता जीती।

बिहार की राजनीति में खेल अभी खत्म नहीं हुआ है

अभिरंजन कुमार

129 विधायकों के समर्थन से नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार विधानसभा में अपना बहुमत तो सिद्ध कर दिया, लेकिन खेला करने के दावों और प्रतिदावों के बीच खेल का रोमांच अंत-अंत तक बिल्कुल वैसे ही बना रहा, जैसे लास्ट बॉल तक चले क्रिकेट मैच में देखने को मिलता है। आखिरकार जब विधानसभा के अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव 112 के मुकाबले 125 सदस्यों के बहुमत से पास हो गया, तभी स्थिति स्पष्ट हो पायी कि नीतीश सरकार के पास न केवल पर्याप्त बहुमत मौजूद है, बल्कि असली खेला राष्ट्रीय जनता दल के साथ हो गया है, क्योंकि उसके तीन विधायक नीलम देवी, चेतन आनंद और प्रह्लाद यादव सदन के अंदर एनडीए पक्ष के साथ खड़े नज़र आए।

एनडीए का समर्थन करने वाले तीन राजद विधायकों में से एक चेतन आनंद डीएम जी कृष्णैया हत्याकांड में उम्रकैद की सज़ा पाए बाहुबली आनंद मोहन के पुत्र हैं। आनंद मोहन को नीतीश सरकार ने पिछले ही साल बिहार जेल नियमावली 2012 में संशोधन करके रिहा कर दिया था। चेतन आनंद रविवार देर रात तक अन्य राजद विधायकों के साथ तेजस्वी यादव के आवास पर ही थे, लेकिन उन्हें वहां से निकालने के लिए पुलिस के इस्तेमाल से एक बड़ा राजनीतिक खेल हुआ। चेतन आनंद के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उन्हें तेजस्वी यादव के आवास पर जबरन रोका गया है, जिसके बाद पुलिस तेजस्वी यादव के आवास पर पहुंच गई। इसके बाद चेतन आनंद वहां से जो निकले, तो विधानसभा में एनडीए कैम्प के साथ खड़े नज़र आए।

वे ठाकुर यानी राजपूत समुदाय से आते हैं और उन्होंने राजद से अपने निकलने का आधार ठाकुर स्वाभिमान को बनाया। गौरतलब है कि राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कुछ महीने पहले संसद में ठाकुर का कुआं नाम की एक कविता पढ़ी थी, जिससे राजपूत समुदाय के अनेक लोग काफी आहत महसूस कर रहे थे। एनडीए का समर्थन करने वाली दूसरी राजद विधायक नीलम देवी उस बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी हैं, जो फिलहाल जेल में बंद हैं और जिनके खिलाफ अनेकों संगीन मुकदमे दर्ज हैं। लिहाजा अपने बचाव की खातिर सत्ता का संरक्षण प्राप्त करना उनके लिए बेहद ज़रूरी है। पहले भी अनंत सिंह को नीतीश कुमार का बेहद करीबी समझा जाता था। यहां तक कि एनडीए-1 की सरकार के दौरान कई लोग उन्हें छोटे सरकार तक कहा करते थे।

राजद को छोड़कर एनडीए का समर्थन करने वाले तीसरे विधायक प्रह्लाद यादव रहे, जो राष्ट्रीय जनता दल के संस्थापक सदस्यों में माने जाते हैं। हालांकि उनकी छवि भी एक दबंग विधायक की ही है और वे वर्तमान उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा के इलाके से आते हैं। क्या उन्होंने विजय सिन्हा के प्रभाव के कारण एनडीए सरकार का समर्थन किया या फिर कोई अन्य डील हुई, यह अभी रहस्य के परदे में है। केवल एनडीए ने ही राजद के तीन विधायक नहीं तोड़े, बल्कि ऐसा लगता है कि राजद ने भी एनडीए के कई विधायकों को तोड़ने की भरपूर कोशिशें कीं। जनता दल यूनाइटेड और भारतीय जनता पार्टी के कम से कम पांच विधायकों को लेकर अंत तक सस्पेंस बना रहा, और वे काफी देर से सदन में हाजिर हुए।

इनमें से एक जदयू विधायक संजीव का पता लगाने के लिए तो नीतीश सरकार को पुलिस का सहारा लेना पड़ा। आखिरकार पुलिस की निगरानी में ही उन्हें पटना लाया गया। चर्चा गरम है कि राजद के साथ मिलकर वे

जदयू के कई विधायकों को तोड़ने की फिराक में थे। उनके खिलाफ पटना के कोतवाली थाने में जदयू विधायक बीमा भारती और दिलीप राय के अपहरण का केस भी दर्ज कराया गया है।

विश्वास मत के परीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने चेतावनी भी दी है कि जिन लोगों ने भी उनके विधायकों की खरीद-फरोख्त करने की कोशिशें की हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। नीतीश कुमार ने खुला आरोप लगाया कि एनडीए के कई विधायकों को विरोधी खेमे ने अपने पाले में करने के लिए लाखों रुपये का ऑफर दिया था। बिहार में खेला होने के दावों और कयासों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी और उनके चार विधायकों को लेकर भी अफवाहों का बाज़ार गर्म रहा। जीतनराम मांझी ने नीतीश मंत्रिमंडल में अपनी पार्टी से केवल एक मंत्री बनाये जाने के प्रति खुलकर नाराज़गी जताई थी और यह भी कहा था कि विपक्षी खेमे से उन्हें मुख्यमंत्री तक बनाये जाने के ऑफर मिल रहे हैं। ऐसे बयानों के कारण जीतनराम मांझी भी एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरकर सामने आए। हालात की गंभीरता को भांपते हुए भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें संभालकर रखने के लिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, सांसद और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय को मोर्चे पर लगाया। अगर जीतनराम मांझी को भाजपा ने न संभाला होता, तो नीतीश कुमार के संभालने से वे संभलने वाले नहीं थे, क्योंकि उन्हें देने के लिए आज नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं है।

सारी उठा-पटक के बीच नीतीश कुमार ने विश्वास मत तो हासिल कर लिया, लेकिन वे पूरी तरह निस्तेज दिखाई दिये। कारण यह कि संख्या बल होने के बावजूद उनमें अब नैतिक बल नहीं बचा है। मौजूदा विधानसभा का चुनाव 2020 में हुआ था और तब वे भाजपा के ही साथ थे। उनकी पार्टी की तुलना में लगभग दोगुनी सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा में नीतीश कुमार भाजपा का साथ छोड़कर विपक्षी गठबंधन में चले गए।

जब विपक्षी गठबंधन में उनकी मुरादें पूरी नहीं हुईं, तो एक बार फिर से वे भाजपा के साथ आ गए हैं। इस प्रकार अपनी विभिन्न सरकारों पर कोई खतरा नहीं होते हुए भी केवल पाला बदल-बदल कर पिछले सवा तीन साल में उन्होंने तीसरी बार सरकार बनाई है। देखा जाए तो नीतीश कुमार स्वयं ही आज बिहार के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गये हैं, क्योंकि केवल और केवल अपने स्वार्थ के कारण उन्होंने बिहार में राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता का वातावरण बनाकर रखा हुआ है।

हालांकि नीतीश कुमार एक बार फिर से यह कह रहे हैं कि अब वे भाजपा का साथ नहीं छोड़ेंगे, लेकिन उनकी बातों पर किसी को भरोसा नहीं, क्योंकि उनका ट्रैक रिकॉर्ड ही है कि वे जिस भी गठबंधन में रहते हैं, एक न एक दिन उसकी थाली में छेद अवश्य ही करते हैं। नीतीश कुमार के इसी रिकॉर्ड को देखते हुए तेजस्वी यादव ने विधानसभा में व्यंग्य भी किया कि क्या मोदी की गारंटी देने वाले यह गारंटी दे सकते हैं कि नीतीश कुमार फिर से पलटी नहीं मारेंगे?

सच भी है कि अपनी गारंटियों के लिए मशहूर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी भी आज नीतीश कुमार के बारे में यह गारंटी देने की स्थिति में नहीं होंगे। संभव है कि लोकसभा चुनाव के बाद और विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर से वे पलटी मारकर महागठबंधन के साथ चले जाएं। नीतीश की आलोचना करते हुए एक तरफ जहां तेजस्वी यादव ने भाषा की पूरी सावधानी बरती, उन्हें आदरणीय बताया, पिता समान बताया और राजा दशरथ से उनकी तुलना की, वहीं नीतीश कुमार भी राजद के प्रति उस तरह से आक्रामक नहीं दिखे, जैसे कि भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी दिखाई दिये। उन्होंने विपक्षी विधायकों की तरफ मुखातिब होकर कहा कि हम किसी को नुकसान नहीं करेंगे। हम आपके सबके हित में काम करेंगे। आप जिस समुदाय के लिए बोल रहे हैं, उसके लिए भी हम काम करेंगे। संकेत साफ हैं कि बिहार की राजनीतिक घोड़ा-मंडी में खेला अभी खत्म नहीं हुआ है। बिहार के दुर्भाग्य से बिहार में राजनीतिक अस्थिरता और अराजकता का वातावरण अभी अगले कुछ और सालों तक बना ही रहेगा।

2024 में भी दिखेगी मोदी लहर, भाजपा के आत्मविश्वास की वजह क्या?

अंकित सिंह

देश लोकसभा चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। सबके मन में यही सवाल है कि इस बार का चुनाव कौन जीतेगा? इन सबके बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में संसद में एक लक्ष्य रखते हुए कहा था कि भाजपा 370 सीटों पर अपनी जीत हासिल करेगी। वहीं, एनडीए गठबंधन 400 से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल करेगा। हाल में किए गए सर्वेक्षणों से भी यह पता चल रहा है कि कहीं ना कहीं भाजपा को आने वाले चुनाव में बढ़त मिलती हासिल हो रही है। इसमें बताया गया है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) भारी बहुमत के साथ तीसरा कार्यकाल हासिल करने के लिए तैयार है। हालाँकि, इसके 400 पार लक्ष्य से काफी कम रहने की संभावना है। सर्वेक्षण के अनुसार, यदि आज लोकसभा चुनाव होते हैं, तो भाजपा के नेतृत्व वाला राजग सरकार गठन के लिए आवश्यक 272 सीटों की सीमा को पार करते हुए 335 सीटें जीतकर सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखेगा। हालाँकि, कुल मिलाकर गठबंधन को 18 सीटों का नुकसान होने की उम्मीद है, जिसमें सबसे बड़ा लाभ इंडिया गठबंधन को होगा। पार्टी-वार सीट शेयर के संदर्भ में, भाजपा को 543 में से 304 सीटें हासिल करने का अनुमान है। भगवा पार्टी ने 2019 की अपनी 303 सीटों की संख्या को एक से बेहतर कर लिया है। कांग्रेस पिछली बार से 19 सीटें अधिक, 71 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनने जा रही है। क्षेत्रीय दलों और निर्दलीय समेत अन्य को शेष 168 सीटें मिलेंगी। 2019 के चुनावों के विपरीत, जब सरकार को चुनाव-उन्मुख अंतरिम बजट पेश करना था, अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक के उत्साह ने भाजपा को आरामदायक स्थिति में ला दिया है। इस भावना के वोट में बदलने की बहुत बड़ी संभावना है; इसके अलावा, अप्रैल में रामनवमी विश्वासियों के लिए एक और आह्वान के रूप में कार्य कर सकती है। मोदी सरकार की विकास योजनाओं और केंद्र सरकार की योजनाओं के 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों तक व्यापक पहुंच के साथ, भाजपा को प्रमुख लक्ष्य समूहों-महिलाओं, युवाओं, गरीबों और किसानों तक अपना संदेश पहुंचाने में बड़ी बढ़त हासिल है। पार्टी को इस तथ्य से भी मदद मिल रही है कि विपक्ष अभी तक कोई जोरदार कहानी तैयार नहीं कर पाया है और यहां तक कि सुलझने के संकेत भी दे रहा है। दिसंबर में तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भी भाजपा की मदद की है। मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव के बाद तीसरी बार उनकी सरकार बनने का विश्वास जताते हुए कहा कि देश के मिजाज को देखकर लगता है कि आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 370 सीटें और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को 400 से अधिक सीटें मिलेंगी। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार का तीसरा कार्यकाल भी बहुत दूर नहीं है। ज्यादा से ज्यादा सौ-सवा सौ दिन रह गए हैं। मैं आमतौर पर आंकड़ों के चक्कर में नहीं पड़ता। लेकिन मैं देश का मिजाज देख रहा हूं। वह राजग को 400 सीटें पार कराके रहेगा। देश भाजपा को 370 सीटें अवश्य देगा।'' इस दौरान प्रधानमंत्री ने जब बोला 'अबकी बार' तो भाजपा के सदस्य 'चार सौ पार' का नारा लगाते हुए सुने गए।

भाजपा के दरवाजे सब दागियों के लिए क्यों खुल रहे है?

अजय सेतिया

डी.पी. यादव की याद आती है, वह अपने जमाने में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बाहुबली थे। अस्सी के दशक में वह मुलायम सिंह के नजदीक आ गए, जिन्होंने 1989 में बुलन्दशहर से जनता दल का टिकट दिला दिया। चुनाव जीत कर डीपी यादव विधायक बने, उधर मुलायम सिंह मुख्यमंत्री बन गए थे, उन्होंने पहली बार जीते डी.पी. यादव को अपने मंत्रीमंडल में केबिनेट मंत्री बना दिया था। 1996 में वह मायावती के चहेते बन गए और बसपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव जीत कर संसद में पहुंच गए।

1998 में वह भाजपा में घुस कर भाजपा का टिकट पा गए थे। तब संभल लोकसभा सीट पर ही उनका मुकाबला मुलायम सिंह से हुआ और वह हार गए। लोकसभा चुनाव हारने के बाद उसी साल उत्तर प्रदेश के 40 विधायकों को खरीद कर वह राज्यसभा में पहुंच गए थे। इस बीच 2004 में उनकी दुबारा भाजपा में एंट्री हुई। जिस पर भाजपा के खिलाफ इतना बड़ा जनाक्रोश पैदा हो गया कि चार दिनों में अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी ने दखल देते हुए उन्हें पार्टी से निकाल बाहर किया। तब भारतीय जनता पार्टी लोकलाज की चिंता करती थी। लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी के दरवाजे हर किसी के लिए खोले जा रहे हैं। हेमंत बिस्व सरमा, सुवेंदू अधिकारी, मुकुल राय, अजित पवार, सुखराम, नारायण राणे, नितेश राणे पर विपक्ष सवाल उठाता रहा है। इन सभी पर भ्रष्टाचार या अन्य आपराधिक मुकदमे चल रहे थे।

दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार और परिवारवाद के खिलाफ अपनी राजनीतिक लड़ाई को जारी रखे हुए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ईडी और सीबीआई ने जिस तरह भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाई हुई है, क्या महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण को भाजपा में शामिल किए जाने से उस मुहिम पर सवाल नहीं खड़े होंगे। अशोक चव्हाण के लिए भाजपा के दरवाजे खुलने के बाद यह सवाल खड़ा होता है कि भाजपा के दरवाजे दागियों के लिए इतनी जल्दी क्यों खुल जाते हैं। भाजपा की ओर से आदर्श हाउसिंग सोसायटी का मामला बड़े पैमाने पर उठाए जाने के कारण ही 2010 में अशोक चव्हाण को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। 2010 में मुम्बई का आदर्श हाउसिंग सोसायटी का घोटाला राष्ट्रीय मुद्दा बन गया था, क्योंकि सेना की हाउसिंग सोसाइटी के लिए आवंटित जमीन पर बनाई गई हाउसिंग सोसायटी में राजनीतिक दलों के नेताओं को फ्लेट अलाट किए गए थे, जिनमें अशोक चव्हाण के रिश्तेदार भी शामिल थे।

इसमें अशोक चह्वाण की सास के नाम पर भी एक फ्लेट था, कुल 25 राजनीतिज्ञों को फ्लेट अलाट किए गए थे। यह घोटाला 1999 में शुरू हुआ, जब सेना के कुछ पूर्व अधिकारियों ने हाउसिंग सोसाइटी के लिए मुख्यमंत्री के सामने आवेदन किया था। सरकार ने उसी महीने कुछ दिनों में ही जमीन अलॉट कर दी, 2004 में जमीन सोसाइटी को सौंप दी गई, लेकिन 2010 में भारतीय नौसेना ने सुरक्षा की दृष्टि से हाउसिंग सोसाइटी बनाने का विरोध किया। बाद में खुलासा हुआ कि कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपने और अपने रिश्तेदारों के नाम पर इस सोसाइटी में फ़्लैट ले लिए थे, जबकि उनका या उनके रिश्तेदारों का सेना से कोई ताल्लुक नहीं था। घोटाला खुला तो अशोक चव्हाण को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था, क्योंकि सोसाइटी में उनके दो रिश्तेदारों के नाम भी थे। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान बड़ा घोटाला माना था।

इस घोटाले की धीमी गति से सीबीआई जांच अभी भी चल रही है, हालांकि 2014 में सीबीआई ने अदालत में एक याचिका दाखिल कर के अशोक चव्हाण का नाम एफआईआर से हटाने की मांग की थी, कोर्ट ने सीबीआई की याचिका खारिज कर दी थी। अशोक चव्हाण इसके खिलाफ हाईकोर्ट गए, तो हाईकोर्ट ने भी उनका नाम हटाने से इनकार कर दिया।

2016 में सीबीआई इजाजत लेने के लिए दुबारा राज्यपाल के पास गई, तो राज्यपाल ने अशोक चव्हाण के खिलाफ मुकद्दमा चलाने की इजाजत दे दी, क्योंकि केंद्र में भाजपा की सरकार आ चुकी थी। अशोक चव्हाण राज्यपाल की इजाजत के खिलाफ हाईकोर्ट गए, दिसंबर 2017 में हाईकोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार ली और उनके खिलाफ मुकद्दमा चलाने के राज्यपाल की इजाजत को रद्द कर दिया।

सीबीआई ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीमकोर्ट में याचिका दाखिल की हुई है। अशोक चव्हाण के अब पाला बदल कर भाजपा में शामिल होने के बाद सीबीआई का रूख क्या होगा। कांग्रेस और अन्य विपक्षी नेता बार बार आरोप लगाते रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी वाशिंग मशीन बन गई है, जिसमें शामिल होते ही दागियों के दाग धुल जाते हैं, फिर वह दाग कितने भी गहरे क्यों न हों। सवाल यह है कि क्या भाजपा में शामिल होने के बाद अशोक चव्हाण के दाग भी धुल जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी क्या नारायण राणे की तरफ अशोक चव्हाण को राज्यसभा में भेजकर उपकृत करेगी।

महाराष्ट्र सरकार ने भाजपा के दबाव में एक आयोग भी बनाया, जिसने अपनी रिपोर्ट में तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों विलासराव देशमुख,,सुशील कुमार शिंदे और अशोक चव्हाण को घोटाले में शामिल बताया था। अशोक चव्हाण एकमात्र पूर्व मुख्यमंत्री थे, जिन्हें घोटाले में आरोपी बनाया गया था, लेकिन राज्यपाल ने उन्हें आरोपी बनाने की इजाजत नहीं दी। तो सीबीआई ने उनका नाम एफआईआर से हटाने की याचिका लगाई थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया था।

सीबीआई जांच की निगरानी मुम्बई हाईकोर्ट कर रहा है, 2012 में मुम्बई हाईकोर्ट ने ईडी से भी जांच में शामिल होने के लिए कहा था। कोर्ट धीमी जांच के लिए ईडी को भी डांट पिला चुकी है। लेकिन भाजपा की वाशिंग मशीन में अशोक चव्हाण के दाग धुलने के बाद ईडी और सीबीआई का रवैया अब क्या होगा?

चुनाव से पहले किसानों ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

दिल्ली एक किले में तब्दील हो गई है। दो केंद्रीय मंत्रियों के साथ उनकी बैठक बेनतीजा रहने के बाद 200 से अधिक यूनियनों से जुड़े किसानों ने राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया है। लोकसभा चुनाव 2024 से कुछ महीने पहले विरोध मार्च के लिए राष्ट्रीय राजधानी और इसकी सीमाओं को मजबूत कर दिया गया है। ठीक तीन साल पहले, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसानों के एक वर्ग ने नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पारित तीन कृषि कानूनों के खिलाफ एक साल तक विरोध प्रदर्शन किया था। किसानों के दिल्ली कूच करने के बीच अंबाला के समीप शंभू में पंजाब से लगती सीमा पर लगाए अवरोधक तोड़ने की कोशिश करने वाले किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े। किसानों के प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली का लाल किला पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है।

एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी के अलावा, किसान स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों व कृषि मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफ करने, पुलिस में दर्ज मामलों को वापस लेने, लखीमपुरी खीरी हिंसा के पीड़ितों के लिए ''न्याय'', भूमि अधिग्रहण कानून 2013 बहाल करने और पिछले आंदोलन के दौरान मारे गए किसानों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंधेर ने उनकी मांगों को लेकर केंद्र के साथ गतिरोध के संदर्भ में कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर कोई नयी समिति नहीं चाहते क्योंकि किसी भी समिति का मतलब इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डालना होगा। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल के साथ बैठक में शामिल हुए केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि अधिकांश मुद्दों पर सहमति बन गई है और सरकार ने प्रस्ताव रखा है कि शेष मुद्दों को एक समिति के गठन के माध्यम से सुलझाया जाए। इस साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले किस नेता सरकार पर दबाव बनाने की

कोशिश कर रहे हैं इसी कड़ी में इस विरोध प्रदर्शन को भी देखा जा सकता है

पिछले दिसंबर में हुए विधानसभा चुनाव में शानदार सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी उत्साहित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के झाबुआ में एक रैली में आगामी चुनावों के लिए अपने %24 में 400 पार% आह्वान को दोहराया। लेकिन किसानों के विरोध ने बीजेपी को चिंता में डाल दिया होगा। विरोध प्रदर्शन कर रहे किसान राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत हिंदी पट्टी के सभी राज्यों से हैं। पंजाब लोकसभा में 13 सदस्य भेजता है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार 2019 में भाजपा को राज्य में 9.73 प्रतिशत वोट हासिल हुई थी और केवल दो सीटें मिली थी। यहां पार्टी इस बार अच्चे रिजल्ट की उम्मीद कर रही है लेकिन किसानों का विरोध प्रदर्शन मुश्किलें बढ़ा सकता है। इसकी वजह से भाजपा को हरियाणा में 2019 का चुनाव दोहराना मुश्किल हो सकता है जब उसने राज्य की सभी 10 लोकसभा सीटें जीती थीं। किसानों के विरोध प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश से भी भागीदारी देखी गई है, जो लोकसभा में 80 सदस्य भेजता है। भाजपा ने 2014 में 72 और 2019 के आम चुनाव में 62 सीटें जीती थीं। लेकिन पर्दर्शन से मामला बिगड़ सकता है।

दिल्ली सरकार ने किसानों के मार्च के मद्देनजर बवाना स्टेडियम को अस्थायी जेल में तब्दील करने के केंद्र सरकार के अनुरोध को ठुकरा दिया है। दिल्ली सरकार ने अस्थायी जेल बनाने के लिए केंद्र के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा कि किसानों की मांग सही है, उन्हें गिरफ्तार करना गलत है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जवाब आदमी पार्टी पूरी तरीके से किसानों के साथ खड़ी है। इससे पहले भी जब 2021-22 में किसानों का प्रदर्शन हुआ था तब भी दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार उसके साथ मुस्तैदी से खड़ी रही थी। आम आदमी पार्टी को इसका फायदा पंजाब के विधानसभा चुनाव में मिला। पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार बनाने में कामयाब रही। किसानों के प्रदर्शन में पंजाब के किसान नेताओं की भूमिका अहम रही है। आम आदमी पार्टी इसे लगातार भागते रही है अब आम आदमी पार्टी की नजर हरियाणा पर है। ऐसे में हरियाणा के किसानों को साधने के लिए आम आदमी पार्टी कहीं ना कहीं किसानों के साथ एक बार फिर से खड़ी होती दिखाई दे रही है।

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि बातचीत करके सरकार ने जो किसानों से समझौता किया था उन बातों की मांगो को सरकार बातचीत के जरिए समाधान करने का काम करे। किसानों की स्र्स्क की मांग जायज मांग है, उनके साथ बैठकर शांति पूर्ण तरीके से समझौता किया जाए। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने कहा कि किसान ही आर्थिक गतिविधि को पैदा करते हैं। किराने की दुकान तब चलती है जब किसान की जेब में पैसा होता है... किसानों के साथ लगातार ये अन्याय होता रहा है। सबसे न्यूनतम मांग तो स्र्स्क की होनी चाहिए। कम से कम उन्हें सही भाव तो मिले। ये बहुत आवश्यक है। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि पूरा बॉर्डर सील कर दिया गया है जैसे ये कोई दुश्मन देशों का बॉर्डर हो... हरियाणा-पंजाब, दिल्ली से सटे राजस्थान और उत्तर प्रदेश से सटे दिल्ली के पड़ोसी जिलों में इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह से बंद कर दी गई हैं वो भी तब जब बोर्ड पेपर सर पर हैं... दिल्ली के चारो तरफ के जिलो में मौखिक हिदायत दी गई है कि किसी किसान के ट्रैक्टर में 10 लीटर से ज्यादा डीज़ल ना डाला जाएगा... चौतरफा जुल्म का आलम है।

यूपी के राज्यसभा चुनाव में भाजपा फिर सपा को पटखनी देती नजर आ रही

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की रिक्त हुई इस सीटों के लिए बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी तय कर लिये हैं। भाजपा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य और यूपीए सरकार में मंत्री रहे व कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए आरपीएन सिंह, भाजपा के आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन, गाजीपुर सदर की पूर्व विधायक संगीता बलवंत बिंद, मुगलसराय से पूर्व विधायक साधना सिंह और मथुरा के पूर्व सांसद तेजवीर सिंह को भी प्रत्याशी बनाया है। यूपी विधानसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या देखते हुए भाजपा के सभी प्रत्याशियों का राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होना तय है। बात जातीय गणित की कि जाये तो बीजेपी ने जातीय समीकरण साधने के लिए एक ब्राह्मण, एक वैश्य, एक ठाकुर और चार पिछड़ों (कुर्मी, मौर्य, जाट व बिंद) को प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी प्रत्याशी 14 फरवरी वसंत पंचमी के दिन नामांकन कर सकते हैं। बात समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों की कि जाये तो सूत्रों के अनुसार समाजवादी पार्टी अपनी तेजतर्रार राज्यसभा सदस्य रहीं जया बच्चन को फिर से राज्यसभा में भेज सकती है। इसके अलावा सपा के राष्ट्रीय महासचिव व पांच बार के सांसद रहे सलीम शेरवानी व मैनपुरी के पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को भी प्रत्याशी बनाये जाने की चर्चा तेज है। वैसे सपा के दो उम्मीदवारों के ही आसानी से जीत की संभावनाएं बताई जा रही हैं। 15 फरवरी को नामांकन का अंतिम दिन है। गौरतलब है कि राज्यसभा की खाली हो रही 10 सीटों में 9 भाजपा और एक सपा के पास हैं। जो ताजा समीकरण बन रहा है उससे बीजेपी का 07 सीटों पर जीतना तय माना जा रहा है। वहीं दो सीटों पर सपा की जीत निश्चित मानी जा रही है। एक सीट का पेंच फंसा है। बीजेपी इसे भी अपनी जेब में डालना चाहती है। राष्ट्रीय लोकदल के बीजेपी के साथ आने के बाद बीजेपी के लिये आठवीं सीट पर जीत की लड़ाई काफी आसान हो गई है। चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के बाद तो अब रालोद मुखिया जयंत चौधरी भी कहने लगे हैं कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिये जाने के बाद अब बीजेपी को कैसे मना किया जा सकता है। पीएम ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। खास बात यह है कि कल तक जयंत चौधरी या रालोद की ओर से इस चर्चा का कोई समर्थन या खंडन नहीं किया गया था, लेकिन अब जयंत की भाषा बिल्कुल बदल गई है। जयंत के पाला बदलने से यूपी में 10 सीटों पर हो रहे राज्यसभा चुनाव का भी गणित बदलता दिख रहा है। राज्य सभा चुनाव के लिए विधानसभा के सदस्य वोटर होते हैं। इस समय विधानसभा की कुल सदस्य संख्या 399 है। राज्यसभा में निर्वाचित होने के लिए न्यूनतम वोट का जो फॉर्मूला है उसके हिसाब से इस बार एक सीट जीतने के लिए 37 विधायक की जरूरत होगी। इस हिसाब से मौजूदा स्थिति में भाजपा गठबंधन 7 और सपा गठबंधन 3 सीटें आसानी से जीतने की स्थिति में है, लेकिन यह तभी संभव था, जब रालोद का सपा के साथ गठबंधन बरकरार रहता। वोटों के गणित की बात की जाये तो एनडीए के पास इस समय सहयोगियों को मिला कर 277 वोट हैं। ऐसे में 37 का कोटा सबको आवंटित करने के बाद उसके पास 18 वोट अतिरिक्त बचेंगे। जनसत्ता दल उच्च सदन के चुनाव में अब तक भाजपा के ही साथ रहा है। इसलिए इनके 2 वोट भी सत्ता पक्ष के साथ जाने तय हैं। ऐसे में भाजपा के पास 20 अतिरिक्त वोट होंगे। वहीं, विपक्षी गठबंधन के पास मौजूदा संख्या 119 विधायकों की है। कोटा आवंटित करने के बाद भी इस समय उनके पास 6 अतिरिक्त विधायक बचेंगे। अगर रालोद एनडीए के पाले में जाता है तो सपा गठबंधन के पास विधायकों की संख्या घटकर 110 हो जाएगी। सपा को अपना तीसरा उम्मीदवार जिताने के लिए 1 और विधायक की जरूरत होगी, जिसे तलाशना आसान नहीं तो मुश्किल भी नहीं होगा।

सोने से पहले खा लें ये 5 फल, अच्छी नींद के साथ सेहत को भी मिलेंगे ढेर फायदे

अगर आप अनिद्रा से पीड़ित हैं और आपके मस्तिष्क के सांसारिक विचारों से घिरे रहने के कारण पूरी रात करवटें बदलते रहने से आपका सो पाना मुश्किल लगता है तो रात के आहार में कुछ फलों को शामिल करने से बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। ज्यादातर डॉक्टरों का मानना है कि हर दिन सात या आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए, हालांकि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में नींद अक्सर पीछे छूट जाती है, वहीं अपनी नींद को नजरअंदाज करने से मानसिक स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

सोने से पहले करें इन फलों का सेवन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ का कहना है कि सोने से पहले अपने रात्रिकालीन आहार में कुछ फलों को शामिल करने से उनके सूजनरोधी गुणों, मेलाटोनिन और पोटेशियम के कारण बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। विशेषज्ञों ने ऐसे शीर्ष पांच फलों के नाम गिनाये हैं जिनमें सेब,चेरी, कीवी, केला और अनानास शामिल है।

सेब के फायदे

विशेषज्ञों के मुताबिक सेब पोषक तत्वों का बड़ा स्रोत है जो रात की अच्छी नींद में योगदान दे सकता है। यह फल विटामिन और मेलाटोनिन से भरपूर है जो रात में जागने से रोकने में मदद कर सकता है। स्टार प्लेयर्स में से एक विटामिन बी -6 है, जो सेब में मौजूद है और अनिद्रा को कम कर सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर और प्राकृतिक शकर्रा रक्त शकर्रा के स्तर को स्थिर करने और किसी व्यक्ति के सामान्य मूड के साथ-साथ समग्र कल्याण में सुधार करने में मदद मिलती है।

चेरी के फायदे

चेरी शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट मेलाटोनिन के स्तर को बढ़ा सकती है जो विश्राम और सोने में सहायक होती है। दिलचस्प तथ्य यह भी है कि चेरी से भी अधिक तीखा चेरी का रस, जो एक वायरल चलन का हिस्सा बन गया है, रात को अच्छी नींद लाने के लिए एक अछुत पेय है। जूस में मेलाटोनिन होता है, जो इसे नींद की गुणवत्ता और अवधि को नियंत्रित करने का एक बेहतरीन प्राकृतिक तरीका बनाता है। लुइसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन से पता चलता है कि तीखा चेरी का रस पीने से अनिद्रा से भी राहत मिल सकती है।

कीवी के फायदे

कीवी या कीवीफ्रूट एक छोटा अंडाकार आकार का फल है, जो कई विटामिन और खनिजों , विशेषकर विटामिन सी और ई के साथ-साथ पोटेशियम और फोलेट से भरपूर होता है। पोषण विशेषज्ञों का सुझाव है कि सोने से पहले कीवी के सेवन से बेहतर नींद की गुणवत्ता को बढ़ावा मिल सकता है। शोधकर्ताओं का भी मानना है कि कीवी सेरोटोनिन से समृद्ध है , जो नींद में सहायक होता है। केले को पोषक तत्वों का पावरहाउस माना जाता है और सोने से ठीक पहले एक केला खाना नींद न आने की समस्या से निजात दिला सकता है।

केले के फायदे

केले में उच्च स्तर का मैग्नीशियम और पोटेशियम होता है, जो मांसपेशियों को आराम दे सकते हैं। इसके साथ ही इसमें ट्रिप्टोफैन भी होता है, जो शरीर में सेरोटोनिन में परिवर्तित हो जाता है जो आपके मूड को नियंत्रित करता है और विश्राम को बढ़ावा देता है।

अनानास के फायदे

इसी प्रकार अनानास में मेलाटोनिन, विटामिन सी, मैग्नीशियम और फाइबर की प्रचुरता होती है। ये सभी सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि अनानास खाने के बाद शरीर में मेलाटोनिन मार्कर बढ़ जाते हैं जो आपको रात में जल्दी सो जाने में सक्षम बनाते हैं। अनानास में ब्रोमेलैन भी होता है, जो अपने सूजनरोधी गुणों के कारण मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है और इस प्रकार आपकी नींद में सुधार करता है।

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल से लेकर डिप्रेशन दूर करेगी डार्क चाकलेट

डॉर्क चॉकलेट ऐसी चॉकलेट है जिसमें बाकी चॉकलेट्स के मुकाबले कोको ज्यादा होता है, इसके अलावा इसमें चीनी कम होती है। यह आमतौर पर मिल्क चॉकलेट की तुलना में ज्यादा फायदेमंद और कम मीठी होतह है। स्वास्थ्य के हिसाब से भी यह बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना सही माना जाता है। शोध में किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि इस चॉकलेट में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं जो मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को सुधारते हैं। इसके अलावा भी इस चॉकलेट को खाने के कई फायदे हैं। आज चॉकलेट डे मनाया जा रहा है ऐसे में इस आर्टिकल के जरिए आपको आज डॉर्क चॉकलेट खाने के फायदे बताते हैं। आज के समय में लोग किसी न किसी तनाव से गुजर रहे हैं। लगातार तनाव में रहने के कारण डिप्रेशन भी हो सकता है। डिप्रेशन में मूड में बदलाव, उदास रहना, गुस्सा आना और चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण दिखते हैं। ऐसे में डिप्रेशन दूर करने के लिए डॉर्क चॉकलेट बेहद फायदेमंद हो सकती है। एक शोध के अनुसार, तीन दिन तक जिन लोगों ने डॉर्क चॉकलेट का सेवन किया उनमें डिप्रेशन के लक्षण काफी हद तक कम हुए हैं। बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए भी डॉर्क चॉकलेट बेहद लाभकारी होती है। एनसीबीआई वेबसाइट के मुताबिक, अलग-अलग शोधों से यह पता चलता है कि लो फैट डाइट के साथ प्लांट स्टेरोल्स और कोको फ्लैवेनॉल्स से भरपूर डॉर्क चॉकलेट का इस्तेमाल करने से कोलेस्ट्रॉल में कमी हो सकती है। साथ ही इसके प्रयोग से हृदय स्वास्थ्य और ब्लड प्रेशर में भी सुधार होता है।

हार्ट के लिए फायदेमंद

संतुलित मात्रा में डॉर्क चॉकलेट खाना भी हार्ट के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। डॉर्क चॉकलेट में एपिप्टिन, कैटेचिन और प्रोसीएनिडिन्स जैसे फ्लेवनॉल पाए जाते हैं इनमें एंटीहाइपरटेन्सिव, एंटीप्लेटलेट, एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीइंफ्लेमेटरी प्रभाव होते हैं जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

हाई ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

यदि आपको बीपी की समस्या है तो भी डॉर्क चॉकलेट बेहद फायदेमंद हो सकता है। एनसीबीआई के अनुसार, यह बात सामने आई है कि डॉर्क चॉकलेट में एंटीहाइपरटेन्सिव प्रभाव पाया जाता है जिसके कारण से सीमित मात्रा में इसका सेवन करने से हाई बीपी में कमी हो सकती है।

सर्दी-जुकाम से बचाव

बदलते मौसम में जुकाम बहुत जल्दी होता है ऐसे में इस समस्या से बचने के लिए भी डॉर्क चॉकलेट बेहद लाभकारी मानी जाती है। इसमें थियोब्रामोइन नाम का रासायनिक पदार्थ पाया जाता है। यह पदार्थ श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों से निजात दिलवाने में मदद करता हैं। श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों की बात करें तो उनमें सर्दी-जुकाम भी शामिल है।

शरीर में जमा कोलेस्ट्रॉल बाहर निकाल देंगे ये फूड्स आज ही कर लें डाइट में शामिल

कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 200 द्वह/स्वरु से यदि कम हो तो इसे नॉर्मल ही माना जाता है। लेकिन यदि शरीर में इससे ज्यादा कोलेस्ट्रॉल की मात्रा हो जाए तो हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या पैदा हो सकती है। कोलेस्ट्रॉल की मात्रा शरीर में बढ़ने के कारण अंग भी बहुत बुरी तरह प्रभावित होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल को नजरअंदाज करना भी जानलेवा हो सकता है। शुरुआत में कोलेस्ट्रॉल का कोई लक्षण नहीं दिखता ऐसे में समय-समय पर ब्लड टेस्ट करवाते रहना चाहिए। यदि सही समय पर बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का पता चल जाए तो इसे अच्छे लाइफस्टाइल और बेहतर खान-पान के साथ कंट्रोल में किया जा सकता है। कोलेस्ट्रॉल के मरीजों को हाई फैट वाले फूड्स अवॉइड करने चाहिए और हैल्दी फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। इसके अलावा आज आपको इस आर्टिकल के जरिए कुछ ऐसे फूड्स बताते हैं जो शरीर में से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने में मदद करेंगे। आइए जानते हैं।

बीन्स

बीन्स भी सोल्यूबल फाइबर का अच्छा स्त्रोत माना जाते हैं। ब्लैक बीन्स, राजमा, लोबिया आदि आप अपने डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ओट्स

ओट्स और साबुत अनाज भी सॉल्यूबल फाइबर का बहुत ही अच्छा सोर्स माना जाता है। इन फूड्स के साथ अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। एक कटोरी ओटमील का सेवन करके आप शरीर में से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कंट्रोल में कर सकते हैं। इसके अलावा क्विनोओ, जौ, राई और बाजरा को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

नट्स

बादाम, पिस्ता, मूंगफली जैसे नट्स में दिल को हेल्दी बनाने वाले गुण पाए जाते हैं। यह फाइबर का भी अच्छा स्त्रोत होते हैं इनमें प्लांट स्टेरोल नाम का पदार्थ पाया जाता है। प्लांट स्टेरोल शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने से रोकते हैं।

हाई फाइबर फ्रूट्स

फाइबर से भरपूर फ्रूट्स जैसे सेब, नाशपाती, बेरीज भी कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने में मदद करती है। कॉन फ्लेक्स, ओट्स में डालकर आप इन फ्रूट्स का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा स्मूदी भी बनाकर आप पी सकते हैं।

फैटी फिश

फैटी फिश में ओमेगा-3 फैटी एसिड मौजूद होता है यह बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने में मदद करता है। सॉल्मन मछली, मैक्रेल, टूना, सॉर्डिन्स का सेवन आप कर सकते हैं।

चिया सीड्स

यह भी ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और हेल्दी पोषक तत्वों का अच्छा स्त्रोत माने जाते हैं। इन सीड्स को डाइट में शामिल करने से एलडीएल और ब्लड प्रेशर का स्तर भी कम होता है।

एवाकाडो

इसमें फोलेट और मोनोसैचुरेटेड फैट्स पाए जाते हैं यह गुड कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखने में मददगार होते हैं। इसके अलावा एवाकाडो का सेवन करने से स्ट्रोक, हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी कम होता है। यह फाइबर से भी भरपूर होता है ऐसे में इसका सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर नहीं बढ़ता।

सोया

सोया से बनी चीजें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा मीट का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो सकता है।

सर्दियों में हेल्दी रहने के लिए जरुरी हैं यह विटामिन, स्ट्रॉग होगी इम्यूनिटी

सर्दियों में सेहत का ख्याल रखना बेहद जरुरी है। इस मौसम में अक्सर शरीर सुस्त नजर आता है। सर्दी से इम्यून सिस्टम भी कमजोर हो जाता है. ठंड में सर्दी-जुकाम और खांसी जैसी बीमारियां बार-बार परेशान करती हैं। दरअसल, ठंड में स्किन शुष्क और संवेदनशील होती है जिस वजह से त्वचा में इर्रिटेशन होने लगती है। शरीर को हेल्दी बनाने के लिए सर्दियों में पोषण की अधिक जरुरत होती है।

विटामिन बी-12 और बी-कॉम्प्लेक्स

सर्दियों में स्वस्थ रहने के लिए अपने आहार में विटामिन लेना जरुरी है। दरअसल,बी- 12 अवाश्यक बी- विटामिन में से एक है। विटामिन बी-12 शरीर की रक्त और तंत्रिका कोशिकाओं को स्वस्थ रखता है. बी-12 लाल रक्त कोशिका के उत्पादन को बढ़ाता है. यह हमारी बॉडी में उर्जा प्रदान करता है इसके साथ ही स्किन को चमकदार बनाता है. आप अपने डाइट में आंडा, दही, चीज और दूध शामिल कर सकते हैं।

विटामिन डी

सर्दियों में विटामिन डी लेना जरुरी है। कई बार ठंड के मौसम में धूप नहीं निकालती है जिस वजह से शरीर में विटामिन डी की कमी देखने को मिलती है। विटामिन डी एक सनसाइन विटामिन है जो धूप से प्राप्त होती है. विटामिन डी लेने से बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ मिलते है, शरीर में कैल्शियम और फास्फोरस प्राप्त होता है। विटामिन डी इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और हड्डियों का विकास करता है।

ओमेगा 3 फैटी एसिड्स

ठंड के मौसम में इम्यूनिटी स्ट्रांग रखने के लिए ओमेगा फैटी एसिड्स की पर्याप्त मात्रा लेना जरुरी है। इसके लिए आप डाइट में शामिल कर सकते हैं कद्दू के बीज, फ्लेक्स सीड, सनफ्लावर सीड, बादाम, अखरोट, फिश आदि।

विटामिन ई

सर्दी में त्वचा काफी शुष्क हो जाती है इसलिए विटामिन ई रिच फूड के सेवन से स्किन कोमल और मॉइस्चराइज होती है। इतना ही नहीं त्वचा की झुर्रियां भी कम होती हैं। आप भोजन में नट्स, पालक, अंडे, चुकंदर, कद्दू, लाल शिमला मिर्च और बीज शामिल कर सकते है।

विटामिन ए

ठंड के मौसम खुद को हेल्दी रखने के लिए डाइट में विटामिन ए होना जरुरी है. विटामिन ए से शरीर को एंटीऑक्सिडेंट मिलता है वहीं यह बॉडी में एंटी इफ्लेमेटरी का प्रभाव डलता है। आप अपने भोजन में शमिल कर सकते हैं सरसों के पत्ते, पालक के पत्ते, बथुआ, गाजर, केल और शकरकंद जैसी सब्जियां। सर्दियों में स्वस्थ शरीर और इम्यूनिटी को स्ट्रॉग करने के लिए अपने भोजन में यह सभी विटामिन अवश्य शमिल करें।

पाचन से लेकर वेट लॉस तक में फायदेमंद है हरड़, कई बीमारियां होंगी छूमंतर

आयुर्वेद में हरड़ एक लाभकारी जड़ी-बूटी के तौर पर जाना जाता है। वहीं आयुर्वेद में इसका विशेष महत्व भी होता है। आपको बता दें कि हरड़ा का इस्तेमाल कई दवाइयों को बनाने में किया जाता है। हरड़ का इस्तेमाल त्रिफला चूर्ण बनाने में भी किया जाता है। यह एंटी-बैक्टीरियल और एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। साथ ही यह पेट संबंधित कई समस्याओं में राहत देने का काम करता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हरड़ को कब और कैसे खाना आपके लिए फायदेमंद होता है।

त्रिफला चूर्ण

आपको बता दें कि आयुर्वेद में त्रिफला चूर्ण को बहुत अहम माना जाता है। हांलाकि आप इसको घर में भी बनाकर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए एक भाग हरड़ पाउडर, दो भाग बहेड़ा पाउडर और तीन हिस्सा आंवला पाउडर मिलाकर त्रिफला चूर्ण बना लें। इस त्रिफला चूर्ण का सेवन कफ, गैस और एसिडिटी में काफी फायदेमंद माना जाता है। सर्दियों में रोजाना रात में गरम पानी से त्रिफला चूर्ण का सेवन करने से आपके कई तरह के फायदे मिलते हैं।

वेट लॉस में सहायक

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो हरड़ का सेवन आपके काम आ सकता है। क्योंकि हरड़ के सेवन से गैस-एसिडिटी की समस्या से राहत मिलती है। इससे धीरे-धीरे आपका वेट लॉस भी होने लगता है।

पाचन में सहायक

हरड़ का सेवन पाचनतंत्र से जुड़ी समस्याओं में लाभकारी होता है। हरड़ अपच संबंधी समस्याओं में राहत पहुंचाने का काम करता है। हम खाने में जो न्यूट्रिशन लेते हैं, कई बार वह अच्छे से एब्जॉर्व नहीं हो पाते हैं। ऐसे में भोजन में मौजूद न्यूट्रिएंट्स हरड़ को एब्जॉर्ब करने में मददगार होता है।

गैस-एसिडिटी से बचाव

सर्दियों में हमारी लाइफस्टाइल में बदलाव आता है। इस मौसम में तेल-मसाले वाली चीजों का सेवन, पानी कम पीने और एक्सरसाइज की कमी से गैस-एसिडिटी की समस्या होने लगती है। इस समस्याओं में हरड़ काफी फायदेमंद होता है। गैस-एसिडिटी की समस्या से राहत पाने के लिए रात को सोने के समय गर्म पानी में हरड़ मिलाकर इसको पी लें। इससे आपको जल्द राहत मिलेगी।

सिरदर्द होगा दूर

सर्दियों के मौसम में ठंड लगने या अपच के कारण सिरदर्द की समस्या हो जाती है। ऐसे में सिरदर्द से छुटकारा पाने के लिए गर्म पानी में हरड़ पाउडर मिलाकर पीने से सिरदर्द में आराम मिलता है। साथ ही हरड़ की तासीर भी गर्म होती है। इसलिए सर्दियों में इसका सेवन करना लाभकारी होता है।

कफ में आराम

सर्दियों में आमतौर पर सर्दी-जुकाम, खांसी और कफ की समस्या होने लगती है। कफ बढ़ने पर सांस लेने में तकलीफ होती है। ऐसे में हरड़ के सेवन से कफ पिघलने लगता है और कफ से छुटकारा मिलता है।

शुगर होगा कंट्रोल

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है, तो उनके लिए हरड़ काफी फायदेमंद होता है। बता दें कि हरड़ में हाइपोग्लाइकेमिक गुण पाया जाता है। जो शरीर में शुगर लेवल को कम करने में मददगार होता है। इसके रोजाना सेवन से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है।

कम होगी सूजन

शरीर में सूजन की समस्या होने पर भी हरड़ का उपयोग कर सकते हैं। क्योंकि यह शरीर की सूजन को कम करने में सहायक होता है और दिमाग भी हेल्दी रहता है। इसके सेवन से व्यक्ति को अल्जाइमर की समस्या नहीं होती है।

जोड़ों के दर्द में मिलेगी राहत

अक्सर सर्दियों के मौसम में लोगों के जोड़ों में दर्द होने लगता है। ऐसे में हरड़ का सेवन फायदेमंद होता है। बता दें कि हरड़ बॉडी में वात को बैलेंस करने के साथ ही गठिया और जोड़ों के दर्द में राहत देता है।

हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद

हरड़ के उपयोग से ब्लड में कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और लिपिड निर्माण को रोकने में सहायक होता है। साथ ही यह दिल के दौरे, ब्लॉकेज, एथेरोस्क्लेरोसिस और क्लॉटिंग आदि के खतरे को कम करता है।

रंगत निखारे

हरड़ में मैग्नीशियम, पोटेशियम, विटामिन सी और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट और पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह सभी पोषक तत्व स्किन की चमक बढ़ाने का काम करते हैं और त्वचा को अंदर से ग्लोइंग बनाते हैं। हरड़ में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल गुण स्किन इंफेक्शन और एलर्जी से राहत देने का काम करता है।

ज्यादा न करें हरड़ का सेवन

बता दें कि जरूरत से ज्यादा हरड़ का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसके साइडइफेक्ट्स भी देखने को मिल सकते हैं। हरड़ का ज्यादा सेवन करने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का बैलेंस बिगड़ सकता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सोनिया ने राज्यसभा चुनाव के लिए दाखिल किया नामांकन

जयपुर। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए बुधवार को राजस्थान से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। लोकसभा चुनाव से पहले सिर्फ दो महीने बचे हैं, ऐसे में गांधी का राज्यसभा जाना एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम है। इससे साफ हो गया कि वह अब उत्तर प्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ने जा रही हैं। अपने बच्चों राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पीसीसी प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा और विपक्ष के नेता टीकाराम जूली सहित पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ, सोनिया ने विधानसभा भवन में अपना नामांकन दाखिल किया। अपना नामांकन दाखिल करने से पहले, सोनिया गांधी ने आगामी चुनावों पर चर्चा करने और अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन जुटाने के लिए विधानसभा की विपक्षी लॉबी में पार्टी विधायकों के साथ बैठक की। कांग्रेस पार्टी राजस्थान से तीन राज्यसभा सीटों में से एक को सुरक्षित करने के लिए अनुकूल स्थिति में है।

लाल बहादुर शास्त्री के पोते ने छोड़ी कांग्रेस, भाजपा में शामिल

लखनऊ। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते विभाकर शास्त्री ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। उन्होंने एक्स पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी गई। विभाकर शास्त्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि माननीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मैंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया है। वह काफी दिन से पार्टी से नाराज चल चल रहे थे। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में बीजेपी में वह शामिल हुए। इससे पहले कांग्रेस वर्किंग कमेटी में शामिल नहीं किए जाने को लेकर भी विभाकर शास्त्री ने अपनी नाराजगी जताई थी। उन्होंने तब कहा था कि अबकी बार शायद मेरी तपस्या में कुछ कमी रह गई। उन्होंने कहा कि मेरे लिए भाजपा के दरवाजे खोलने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी, नड्डा, अमित शाह, सीएम योगी आदित्यनाथ और ब्रजेश पाठक के प्रति आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

दिल्ली हाई कोर्ट की जमीन पर आप का ऑफिस कैसे : सुको

नईदिल्ली। राउज एवेन्यू इलाके में स्थित आम आदमी पार्टी को दफ्तर दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह जानकर हैरानी व्यक्त की कि एक राजनीतिक दल का कार्यालय दिल्ली उच्च न्यायालय को आवंटित भूखंड पर स्थित है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ को जब दिल्ली उच्च न्यायालय के लिए नामित भूमि पर कथित अतिक्रमण से अवगत कराया गया तो वह आश्चर्यचकित रह गई। अदालत देश भर में न्यायिक बुनियादी ढांचे से संबंधित मामले की सुनवाई कर रही थी। एमिकस क्यूरी के परमेश्वर ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के अधिकारियों ने आवंटित भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया, लेकिन बाधा डाली गई, और तब से वहां एक राजनीतिक पार्टी कार्यालय का निर्माण किया गया है। सीजेआई ने टिप्पणी करते हुए कहा कि कोई भी कानून अपने हाथ में नहीं ले सकता।

बीजेडी का राज्यसभा चुनाव में भाजपा को समर्थन की घोषणा

भुवनेश्वर। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने आगामी राज्यसभा चुनाव में राज्य से भाजपा के उम्मीदवार अश्विनी वैष्णव को बुधवार को अपना समर्थन देने की घोषणा की। भाजपा ने बुधवार सुबह केंद्रीय मंत्री वैष्णव की उम्मीदवारी की घोषणा की। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने एक बयान में कहा कि बीजद राज्य के रेल और दूरसंचार विकास के व्यापक हित के लिए वैष्णव की उम्मीदवारी का समर्थन करता है। पटनायक ने बयान में कहा, ''बीजू जनता दल आगामी राज्यसभा चुनाव में राज्य के रेलवे और दूरसंचार विकास के व्यापक हित के लिए केंद्रीय रेल, संचार और सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की उम्मीदवारी का समर्थन करेगा। वैष्णव 2019 में बीजद के समर्थन से संसद के उच्च सदन के लिए चुने गए थे। इससे पहले मंगलवार को, बीजद के दो उम्मीदवारों- देबाशीष सामंत्रे और शुभाषीश खूंटिया ने 27 फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

2024 में 3 से 4 टुकड़ों में बंट जाएगा झामुमो : निशिकांत दुबे

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने झारखंड की राजनीति के परिप्रेक्ष्य में बड़ा बयान दिया है। बुधवार (14 फरवरी) को डॉ दुबे ने बाबानगरी देवघर में मीडिया से कहा कि मैंने पहले ही झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बारे में कहा था कि उनको जेल जाना होगा। मैंने कहा था कि हेमंत सोरेन और उनके परिवार को जेल जाना होगा। डॉ दुबे ने कहा कि मैंने सोशल मीडिया 'एक्स' पर ट्वीट किया था कि कुछ विधायक हमारे संपर्क में हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस का अस्तित्व मिट जाएगा। कुछ लोगों को ऐसा लग रहा था कि मैंने गलत ट्वीट किया है। मैंने उन सभी लोगों से कहा था कि मेरे इस ट्वीट को आप संभाल कर रखिएगा, क्योंकि 2024 में झारखंड में न तो झामुमो बचेगा, न कांग्रेस बचेगी। गोड्डा लोकसभा क्षेत्र के भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने कहा कि 2024 में झामुमो तीन से चार टुकड़ों में बंट जाएगा। पार्टी खंड-खंड हो जाएगी।

पंजाब-हरियाणा सीमाओं पर डटे किसान

15 फरवरी को 12 बजे से 4 बजे तक रेलवे ट्रैक जाम करने का ऐलान

नईदिल्ली। किसान संगठन बीकेयू एकता उगराहां ने कहा कि वह आंदोलनकारी किसानों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में 15 फरवरी को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच 4 घंटे के लिए रेलवे यातायात बाधित करेगा। 14 फरवरी को दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों में यातायात प्रभावित हुआ था क्योंकि पुलिस ने किसानों के प्रस्तावित दिल्ली मार्च के कारण सिंघू और टिकरी सीमाओं पर बैरिकेड्स की कई परतें लगा दी थीं और वाहनों की आवाजाही रोक दी थी। वहीं, गाज़ीपुर सीमा पर विनियमित तरीके से वाहनों की आवाजाही की अनुमति है।

किसानों के विरोध प्रदर्शन के जवाब में देश की राजधानी में धारा 144 लागू कर दी गई है। किसानों के %दिल्ली चलो% आंदोलन के जवाब में, हरियाणा सरकार ने 13 फरवरी को सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट और थोक एसएमएस सेवाओं पर प्रतिबंध दो दिन बढ़ाकर 15 फरवरी तक कर दिया। दिल्ली में किसानों के जारी प्रदर्शन के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने 14 फरवरी को कहा कि किसान यूनियन के साथ सकारात्मक बातचीत की कोशिश जारी है। सैकड़ों किसान बुधवार सुबह एक बार फिर अपना 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू करने के लिए पंजाब-हरियाणा की दो सीमाओं पर डटे रहे। वहीं, अंबाला के पास शंभू सीमा पर प्रदर्शनकारी भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

पंजाब के प्रदर्शनकारी किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर 'दिल्ली चलो' मार्च के तहत हरियाणा की सीमा पर बैरिकेड हटाने का नये सिरे से प्रयास किया। किसान नेता शंभू सीमा पर बहुस्तरीय बैरिकेड हटाकर 'दिल्ली कूच' की अपनी योजना पर आगे बढ़ने से पहले एक बैठक करेंगे। 'दिल्ली चलो' मार्च में भाग लेने के लिए पंजाब के कई स्थानों से किसानों का आना जारी है। पंजाब की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी देखी जा सकती हैं। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि जब कुछ किसान शंभू सीमा पर बैरिकेड के पास एकत्र हुए तो हरियाणा पुलिस ने बुधवार सुबह आंसू गैस के कई गोले दागे। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करने के लिए दृढ़ हैं। कई युवा किसानों ने शंभू सीमा पर बहुस्तरीय अवरोधक हटाने के लिए अपने ट्रैक्टर तैयार रखे हैं।

भारत में पहली बार हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के प्रयोग के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया

किसान आंदोलन के दौरान हरियाणा पुलिस ने मंगलवार को आंसू गैस उपकरणों के इस्तेमाल के लिए ड्रोन का उपयोग किया। हरियाणा पुलिस ऐसा करने वाली देश की पहली पुलिस बन बन गई है। पंजाब-हरियाणा सीमा पर स्थित शंभू सीमा पर दिल्ली आने की कोशिश करने वाले किसानों को रोकने के लिए अभूतपूर्व संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती गई है। यहीं पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़ने के लिए मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) का इस्तेमाल किया। बता दें कि कड़ों किसान बुधवार सुबह एक बार फिर अपना 'दिल्ली चलो' मार्च शुरू करने के लिए पंजाब-हरियाणा की दो सीमाओं पर डटे रहे। वहीं, अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। पंजाब के प्रदर्शनकारी किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर 'दिल्ली चलो' मार्च के तहत हरियाणा की सीमा पर अवरोधक हटाने का नए सिरे से प्रयास किया। पुलिस ने हरियाणा के जींद जिले में दाता सिंहवाला-खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और पानी की बौछार की। पुलिस के मुताबिक, इस झड़प में नौ पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। 'दिल्ली चलो' मार्च में भाग लेने के लिए पंजाब के कई स्थानों से किसानों का आना जारी है। पंजाब की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी देखी जा सकती हैं। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि जब कुछ किसान शंभू बॉर्डर पर बैरिकेड के पास एकत्र हुए तो हरियाणा पुलिस ने बुधवार सुबह आंसू गैस के कई गोले दागे। प्रदर्शनकारी किसानों ने कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी की ओर मार्च करने के लिए दृढ़ हैं। कई युवा किसानों ने शंभू बॉर्डर पर बहुस्तरीय अवरोधक हटाने के लिए अपने ट्रैक्टर तैयार रखे हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने हरियाणा पुलिस द्वारा छोड़े गए आंसू गैस के गोले के प्रभाव को कम करने के लिए पानी के टैंकरों की भी व्यवस्था की है। किसान आंसू गैस के गोले के प्रभाव को सीमित करने के लिए पानी की बोतलें और गीले कपड़े भी ले जाते दिखे। कई किसानों ने कहा कि मंगलवार को हरियाणा पुलिस द्वारा छोड़े गए आंसू गैस के गोले के कारण उन्हें सांस लेने में कठिनाई और आंखों में जलन हुई।

आम जनजीवन को बाधित ना करें, हम चर्चा करने के लिए तैयार : अर्जुन मुंडा

नईदिल्ली। किसानों का विरोध प्रदर्शन बुधवार को दूसरे दिन में प्रवेश कर गया, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार किसानों के साथ चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने किसानों से चर्चा के लिए उपयुक्त माहौल बनाए रखने की भी अपील की। पत्रकारों से बात करते हुए अर्जुन मुंडा ने आज कहा, हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं। हमें सभी पक्षों को ध्यान में रखकर बातचीत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं किसान संघ से अनुरोध करता हूं कि वे चर्चा का माहौल बनाए रखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि किसान संघ के साथ सकारात्मक चर्चा करने के हमारे प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसान संगठनों को ये समझना होगा कि जिस कानून की बात की जा रही है। उस कानून के बारे में इस तरीके से कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता जिससे बाद के दिनों में सबके लिए बगैर सोची समझी स्थिति के बार में लोग आलोचना करें। हमें ये कोशिश करनी चाहिए हम इसके सभी पक्षों का ध्यान रखें। किसानों को इस बात का भी ध्यान रखना पड़ेगा कि आम जनजीवन को बाधित ना करें, आम जनजीवन किसी तरह से परेशान ना हो।

भारत की बढ़ती सक्रियता से आईईए को होगा फायदा

देश ने पेरिस जलवायु लक्ष्यों को कर लिया पार : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत के पास प्रतिभा और इनोवेशन की कोई कमी नहीं है और यदि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) में बड़ी भूमिका निभाती है तो इस संगठन को फायदा होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने आईईए की मंत्रिस्तरीय बैठक को अपने वीडियो संबोधन में कहा कि भारत ने अपने पेरिस जलवायु लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले ही पार कर लिया है और वैश्विक मुद्दों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक आबादी का 17 प्रतिशत हिस्सा भारत में रहने के बावजूद इसका कार्बन उत्सर्जन वैश्विक आबादी का केवल चार प्रतिशत है और वह ऊर्जा पहुंच संबंधी दुनिया की कुछ बड़ी पहलें भी कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने आईईए को उसकी 50वीं वर्षगांठ पर बधाई देते हुए कहा, ''मुझे यकीन है कि जब भारत इसमें बड़ी भूमिका निभाएगा तो आईईए को फायदा होगा।'' उन्होंने कहा, ''समावेशन से किसी भी संस्थान की विश्वसनीयता और क्षमता बढ़ती है।''

उन्होंने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों के पास प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और नवाचार का खजाना है। उन्होंने कहा कि भारत के पास गति, मात्रा और गुणवत्ता की भी कोई कमी नहीं है। मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि सतत वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा और स्थिरता की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ''एक दशक में हम दुनिया की 11वीं बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था पर पहुंच गए। इसी अवधि में, हमारी सौर ऊर्जा क्षमता 26 गुना बढ़ी है। हमारी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भी दोगुनी हो गई है। हमने समयसीमा से पहले इस संबंध में अपनी पेरिस प्रतिबद्धताओं को पार कर लिया है।''

उन्होंने कहा, ''बहरहाल, हम जलवायु परिवर्तन से निपटने को पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।'' भारत ने अपने उत्सर्जन तीव्रता से संबंधित लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा से 11 साल पहले और गैर-जीवाश्म ईंधन लक्ष्यों को निर्धारित समय से नौ साल पहले हासिल किया है। देश का लक्ष्य अब 2005 के स्तर से 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करना और 2030 तक कुल स्थापित क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से प्राप्त करना है। भारत ने 2070 तक शुद्ध-शून्य अर्थव्यवस्था बनने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और 'मिशन लाइफ' जैसी प्रमुख पहलों में भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान शुरू की गई पहल 'वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन' का समर्थन करने के लिए आईईए को धन्यवाद दिया।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच आज से

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट आज से शुरू हो रहा है। पहला मैच इंग्लैंड ने दूसरा मैच भारत ने जीता था। भारत और इंग्लैंड गुरुवार (15 फरवरी) को राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भिड़ने वाले हैं। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज वर्तमान में 1-1 से बराबरी पर है। राजकोट में बढ़त हासिल करने की होड़ तेज हो गई है। युवा सरफराज खान और ध्रुव जुरेल के इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में पदार्पण करने की उम्मीद है। टीम इंडिया में विराट कोहली, मोहम्मद शमी और केएल राहुल की कमी खलेगी। श्रेयस अय्यर को बाहर कर दिया गया है और केएल राहुल को चोट से उबरना बाकी है। कोहली पारिवारिक कारण से टीम से बाहर है। शमी इंग्लैंड में इलाज करवा रहे हैं। मैच सुबह साढ़े नौ बजे शुरू होगा।

भारतीय टीम गुरुवार से जब यहां इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए उतरेगी तो उसे निडर और चतुराई भरा क्रिकेट खेलने के अलावा मध्यक्रम की कमजोरियों का भी समाधान ढूंढना होगा। इंग्लैंड ने हैदराबाद में श्रृंखला के पहले मैच में भारत को हराया लेकिन मेजबान टीम ने विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में वापसी करते हुए पांच मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी।

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, केएस भरत, आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप और देवदत्त पडिक्कल।

इंग्लैंड- बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, जेम्स एंडरसन, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, शोएब बशीर, डैन लॉरेंस, जैक क्राउली, बेन डकेट, बेन फोक्स, टॉम हार्टले, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, जो रूट और मार्क वुड।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 268 और निफ्टी 97 अंक चढ़ा

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार बड़ी गिरावट से उबरते हुए लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में हरे निशान में बंद हुए। इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एसबीआई, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयर में तेजी के चलते बाजार चढ़कर बंद हुआ। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 500 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर 71,035.25 पर खुला। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 70,809.84 के नीचले लेवल तक भी चला गया था। अंत में सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत या 277.98 अंक की बढ़त लेकर 71,833.17 पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 0.45 प्रतिशत या 96.80 अंक चढ़कर 21,840.05 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 150 अंक तक लुढ़क गया था। सेंसेक्स की कंपनियों में स्टेट बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी आई।

जनवरी में थोक महंगाई घटकर 0.27% पर आई

नईदिल्ली। देश में महंगाई में लगातार कमी आ रही है और जनवरी में थोक मुद्रास्फीति घटकर 0.27 प्रतिशत पर आ गई। खाने-पीने की चीजों की कीमतों में नरमी की वजह से इसमें बीते महीने कमी आई है। दिसंबर 2023 के दौरान देश में थोक मुद्रास्फीति या महंगाई 0.73 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक या व्होलसेल प्राइस इंडेक्स आधारित महंगाई अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.39 प्रतिशत दर्ज की गई थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा, व्होलसेल प्राइस इंडेक्स आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में 0.27 प्रतिशत (अस्थायी) रही। थोक मुद्रास्फीति जनवरी 2023 में 4.8 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2024 में खाद्य सामग्री की महंगाई दर 6.85 प्रतिशत रही जो दिसंबर 2023 में 9.38 प्रतिशत थी।

पेटीएम का शेयर पिछले एक महीने में 51 प्रतिशत गिरा

नईदिल्ली। पेटीएम के शेयरों में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरबीआई के एक्शन के बाद पेटीएम का शेयर बुधवार को फिर 10 प्रतिशत लुढ़क गया और अपने अब तक के ऑल टाइम लो लेवल पर पहुंच गया। आईपीओ के जरिये पेटीएम में निवेश करने इन्वेस्टर्स का सबसे ज्यादा बुरा हाल हुआ है। बता दें कि पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड का आईपीओ 2150 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ था और अब यह 350 रुपये के निचले लेवल तक फिसल गया है। बीएसई पर बुधवार को इंट्राडे ट्रेड में पेटीएम शेयर की कीमत 10 प्रतिशत टूटकर 52 वीक के ऑल टाइम लो लेवल 342.40 रुपये पर पहुंच गई। पेटीएम के शेयर 380.35 रुपये के पिछले बंद के मुकाबले 353.50 रुपये पर खुले और जल्द ही अपने 52 वीक के सबसे निचले लेवल तक सरक गए।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री जनवरी में 14 प्रतिशत बढ़ी

नईदिल्ली। यूटिलिटी वाहनों की मजबूत मांग के बीच घरेलू यात्री वाहन की थोक बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 3,93,074 इकाई हो गई। यह जनवरी में अभी तक दर्ज बिक्री का सर्वाधिक आंकड़ा है। उद्योग संगठन सियाम ने बुधवार को यह जानकारी दी। जनवरी 2023 में थोक बिक्री 3,46,080 इकाई रही थी। वाहन कंपनियों के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,95,183 इकाई रही। जनवरी 2023 में थोक बिक्री 11,84,376 इकाई रही थी। सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा, सकारात्मक उपभोक्ता भावनाओं के बीच यात्री वाहन की बिक्री मजबूत बनी हुई है।

शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर भारत

प्रह्लाद सबनानी

भारत आज अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में नित नई ऊंचाईयां छू रहा है। दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रान्स एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवां स्थान हासिल किया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, अब दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुन: प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। एक ईसवीं से लेकर 1750 ईसवीं तक आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में भारत का बोलबाला था। इस खंडकाल में विश्व के कुल विदेशी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से भी अधिक की रही है क्योंकि उस समय पर भारत में सनातन संस्कृति का पालन करते हुए व्यापार किया जाता था। भारत में कर्म एवं अर्थ के कार्यों को धर्म का पालन करते हुए करने की प्रथा का पुरातन शास्त्रों में वर्णन मिलता है। भारत में चूंकि आज एक बार पुन: सनातन संस्कृति का पालन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य सम्पन्न हो रहे हैं अत: पूरे विश्व का भारत पर विश्वास बढ़ रहा है अत: न केवल विदेशी वित्तीय संस्थान बल्कि विदेशी नागरिक भी भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में अपने निवेश को लगातार बढ़ाते जा रहे हैं।

भारत में नेशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था

और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और आज यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवें स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा। भारतीय शेयर बाजार आज विदेशी निवेशकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है क्योंकि भारतीय शेयर बाजार अपने निवेशकों को भारी लाभ दे रहा है। हाल ही में सम्पन्न किए गए एक सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि विश्व के 100 बड़े निवेशक फंड जिनकी संपतियां 26.25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की हैं, ने चीन के स्थान पर भारत में अपने निवेश बढ़ाने की बात की है।

भारत के बाद ब्राजील एवं चीन में ये फंड अपने निवेश की बात कर रहे हैं। भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि वर्ष 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में भारत का योगदान 16 प्रतिशत से भी अधिक का रहने वाला है। जब अन्य देशों की विकास दर कम हो रही हैं तब भारत में आर्थिक विकास दर तेज हो रही हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा देश में लागू की जा रही आर्थिक नीतियों के कारण सम्भव हो पा रहा है।

शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल सदन में जानकारी

छग में अगले शिक्षा सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति होगी लागू

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री ने बड़ा ऐलान किया है। शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा है, कि अगले शिक्षा सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होगी। कॉलेज छात्राओं को ट्रैवल अलाउंस मिलेगा। बता दें कि कॉलेज छात्राओं को सालाना 6000 रुपए ट्रैवल अलाउंस मिलेगा।

शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सदन में जानकारी दी, कि छत्तीसगढ़ में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी। मंत्री ने कहा कि अगले शिक्षा सत्र से पहले शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। वहीं, लोकसभास चुनाव से पहले शिक्षक भर्ती का विज्ञापन आएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा, कि स्कूलों में अध्यात्म और धर्म की शिक्षा दी जाएगी। वहीं, सभी स्कूलों में आधे घंटे का योग पीरियड होगा।

प्रदेश में होगी 33 हजार शिक्षकों की भर्ती

छत्तीसगढ़ में शिक्षक बनने का सपना देख रहे लोगों के लिए अच्छी खबर निकलकर सामने आई है। दरअसल, प्रदेश में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती होने वाली है। हाल ही में शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने बुधवार को बड़ा ऐलान किया है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी। साथ ही प्रदेश के 25 हजार स्कूलों में अंग्रेजी में पढ़ाई शुरू होगी। शिक्षा मंत्री अग्रवाल ने आज सदन में ये जानकारी दी है। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि अगले शिक्षा सत्र से पहले शिक्षकों भर्ती की होगी। जिसके लिए लोकसभा चुनाव से पहले विज्ञापन जारी किया जाएगा। स्कूलों में अध्यात्म और धर्म की शिक्षा दी जाएगी। सभी स्कूलों में आधे घंटे का योग पीरियड होगा अग्रवाल ने कहा कि, आत्मानंद स्कूल योजना के नाम पर कांग्रेस सरकार ने केवल करप्शन किया। 251 पुराने भवनों पर 800 करोड़ खर्च कर दिए। कांग्रेस ने विद्या को बाजार बनाने की कोशिश की। इस पर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा- भर्ती लोकसभा चुनाव के पहले होगी या बाद में। इस पर मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा- चुनाव से पहले भर्ती के संबंध में विज्ञापन आ जाएगा।

विश्वविद्यालयों में 2000 पदों पर होगी भर्ती

रायपुर में आज विधानसभा में शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कई बातों का ऐलान किया है। उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया है कि राज्य के विश्वविद्यालयों के 2000 पदों पर भर्ती की जाएगी। शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपए दिया जाएगा।

इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि नया रायपुर में संगीत कालेज की स्थापना होगी। इसके पहले शिक्षामंत्री ने कहा कि कि प्रदेश के स्कूलों में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती होगी। अगले शिक्षा सत्र से पहले शिक्षकों की भर्ती होगी। लोकसभा चुनाव से पहले शिक्षक भर्ती का विज्ञापन आएगा। स्कूलों में अध्यात्म और धर्म की शिक्षा दी जाएगी। सभी स्कूलों में आधे घंटे का योग पीरियड होगा। कक्षा पहली से अंग्रेजी में पढ़ाई होगी।

वन अपराधों के 71 हजार से अधिक प्रकरण दर्ज

प्रदेश में वन अपराधों के 71 हजार से अधिक प्रकरण दर्ज किए गए। यह जानकारी वन मंत्री केदार कश्यप ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। प्रश्नकाल में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने जानना चाहा कि प्रदेश में 2021 से 2023 तक वन अपराधों के दर्ज प्रकरणों की संख्या कितनी है? इसके जवाब में वन मंत्री ने बताया कि प्रदेश में 2021 से 2023 तक वन अपराधों के कुल 71 हजार 408 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वन अपराधों के प्रकरणों में जांच, अनवेषण, चालान तैयार करने के लिए क्षेत्रीय कर्मचारी और अधिकारी अधिकृत हैं। जिनकों प्रशिक्षण के दौरान इन विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है।

न्यायालय में पैरवी, विधि और विधायी विभाग द्वारा अधिकृत शासकीय अधिवक्ता द्वारा दी जाती है।

भू-अर्जन में अनियमितता के मामले में 10 अफसर-कर्मी दोषी

अरपा भैसा झार परियोजना में भू-अर्जन में अनियमितता के मामले में 10 अफसर-कर्मी दोषी पाए गए हैं। इन सबके खिलाफ कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। यह जानकारी राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। प्रश्नकाल में भाजपा सदस्य धरमलाल कौशिक के सवाल के जवाब में राजस्व मंत्री ने बताया कि अरपा भैसाझार परियोजना में भू-अर्जन और अन्य अनियमितताओं की जांच के लिए कलेक्टर के आदेश पर 6 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। समिति ने तत्कालीन एडिशनल कलेक्टर बीएस उइके, ईई आरपी शुक्ला, एसडीएम देवेन्द्र पटेल, डिप्टी कलेक्टर अजीत पुजारी, और प्रभारी तहसीलदार पेखन टोन्डे सदस्य थे। समिति द्वारा प्रारंभिक जांच प्रतिवेदन 24 जुलाई 2021 को प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने बताया कि समिति में शामिल कुछ अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले अन्यत्र होने से फिर से जांच समिति बनाई गई। जांच समिति द्वारा अंतिम प्रतिवेदन 23 फरवरी 2023 को प्रस्तुत किया गया।

गौ तस्करी पर कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, नेता प्रतिपक्ष ने कहा-

गोवंशों को ले जाया जा रहा था कत्ल खाने, गृह मंत्री का अब तक नहीं आया कोई बयान

रायपुर। राजधानी रायपुर में कंटेनर के जरिये गौ तस्करी के मामले को लेकर सियासत गरमा गई है. इसे लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस सत्ताधारी पार्टी भाजपा पर

लगातार निशाना साध रही है. अब गौ तस्करी मामले को लेकर नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने भाजपा की चुप्पी को लेकर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकाल में एक गाय की मौत में विपक्षी दल विधानसभा को सर में उठा लेता था. एक कंटेनर में 100 से भी अधिक गायों को पकड़ा गया है, 13 गायों की मृत्यु हो चुकी है. अब तक गृह मंत्री का कोई बयान नहीं आया है. यह गाय कत्ल खाने ले जाया जा रहे थे. भाजपा अभी तक चुप है कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, इसकी हम निंदा करते हैं.

बता दें कि मंगलवार देर रात रायपुर-दुर्ग जिले के सीमा क्षेत्र में बड़े गौ तस्करी का मामला सामने आया. गोसेवकों ने कुम्हारी नाका में गोवंशों से भरा कंटेनर पकड़ा. कंटेनर में लगभग 100 गायें थी. जिसमें 13 गायों की मृत्यु हो चुकी है और कई घायल थे. कुम्हारी पुलिस इस संबंध में केस दर्ज जांच शुरू कर दी है. पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने एक्स पर ट्वीट कर कहा, बहुत दुख हो रहा है यह दृश्य देखकर. सूचना मिली है कि रायपुर में हीरापुर के पास ग्रामीणों ने एक ट्रक पकड़ा है जिसमें लगभग 100 गायें थी. पता चला है 13 गायों की मृत्यु हो चुकी है. भाजपा की सरकार आते ही तस्करी और गौ माता पर अत्याचार का सिलसिला फिर शुरू हो गया. इन तस्करों के गिरोह और शासन में बैठे गौ हत्यारों को सामने आकर जवाब देना होगा. वहीं पूर्व मंत्री उमेश पटेल ने कहा, जब हमने गौठान की व्यवस्था बनाई थी तो सवाल उठाया जाता था. लेकिन इनके पास अब कोई व्यवस्था नहीं है. कंटेनर में 100 गायों को लेकर तस्करी किया जा रहा था. 13 गायों की मौत हुई है.

गौ तस्कर और गौ हत्यारों पर होगी सख्ती से कानूनी कार्रवाई - नेताम

गौमाता की सेवा बहुत पुण्य का काम है, गायों को खिलाया हरा चारा और चोकर व गुड़ के लड्डू

रायपुर। कृषि और पशुपालन मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज बसंत पंचमी के अवसर पर रावाभांठा के बंजारी मंदिर परिसर स्थित उज्जवला गौशाला में गौमाता

की सेवा की। उन्होंने गौशाला के गायों को हरा घांस और चोकर व गुड़ के लड्डू खिलाएं। उन्होंने उज्जवला गौशाला समिति को गायों की सेवा के लिए 51 हजार रूपये की राशि दान में दी। कृषि मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर मंदिर में मां बंजारी की पूजा-अर्चना कर राज्य की उन्नति के साथ ही प्रदेश वासियों के सुख-समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर कहा कि गौमाता की सेवा करना बहुत पुण्य का काम है गौमाता हमारी आस्था और आराध्य है। गौमाता दुःख-दर्द हरने वाली कल्याण करने वाली और भवसागर पार कराने वाली है। प्रदेश की जनता ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमरी सरकार को छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा करने का अवसर दिया है। हम सब छत्तीसगढ़ महतारी और गौमाता की सेवा करेंगे।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने कहा कि किसी भी स्थिति में गौ तस्करों और गौ माता की हत्या करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके ऊपर सख्ती से कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने गौशाला का निरीक्षण कर सड़क दुर्घटना में घायल हुए गायों के तत्काल मरहम पट्टी व टीकाकरण करने के निर्देश भी विभाग के अधिकारियों को दिए। इस मौके पर गौसेवा से जुड़े श्री रेवाराम चौहान सहित मंदिर ट्रस्ट समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

लेंटाना उन्मूलन कार्य में मजदूरी भुगतान में की गई गड़बड़ी की होगी जांच

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने पूर्ववर्ती शासनकाल में सरगुजा वन वृत में लेंटाना उन्मूलन कार्य में मजदूरी भुगतान में की गई गड़बड़ी की जांच कराने की घोषणा की। इसके लिए विधायक प्रबोध मिंज से जहां जहां गड़बड़ी हुई है वहाँ की लिखित शिकायत भी मांगा।

बुधवार को विधानसभा में प्रश्न काल में मिंज ने यह मामला उठाया। मिंज ने कहा कि उन्होंने चार प्रश्न किए थे और लिखित में केवल जी हां, जी नहीं और प्रश्न उपस्थित नहीं होता है जैसे जवाब दिए गए हैं। मिंज ने पूछा कि लेंटाना उन्मूलन में कितने मजदूरों को नगद भुगतान किया गया। मिंज ने कहा कि कोविड काल में कैम्पा मद में बड़ी गड़बड़ी की गई। क्या इसकी ईओडब्लू से जांच कराएंगे। मंत्री कश्यप ने कहा कि यह लेंटाना खरपतवार के उन्मूलन के लिए केंद्र सरकार ने ही योजना बनाई है। वर्ष 2018-22 तक कैम्प और नरवा योजना से सरगुजा वन वृत के 8 वन मंडलों में काम हुआ था। इसमें 1,57,767 श्रमिकों को नगद और 75036 को नगद भुगतान किया गया। कश्यप ने कहा कि ये श्रमिक ऐसे इलाकों के हैं जहां 5 किमी के दायरे में भी बैंक नहीं हैं। इन्हें कलेक्टर, डीएफओ, पंच सरपंच और वन समितियों के अध्यक्षों की उपस्थिति में भुगतान किया जाता है। मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रदेश में 4 लाख हेक्टेयर में लेंटाना उन्मूलन का काम हुआ है। विधायक मिंज ने कहा कि 75 हजार श्रमिकों को नगद भुगतान, यह छोटे मोटे आंकड़े नहीं है। इसकी जांच होनी चाहिए। स्पीकर डॉ रमन सिंह ने कहा कि यह महत्वपूर्ण विषय है। नगद भुगतान गंभीर बात है। पेमेंट की व्यवस्था को दुरुस्त करने की जरूरत है।

विस सत्र के बाद मार्च महीने में पूरे मंत्रिमंडल के साथ करेंगे रामलला के दर्शनः साय

रायपुर। आज बसंत पंचमी का दिन है सरस्वती पूजन का दिन है। आज इसी दिन 14 फरवरी 1889 को पहली बार रायपुर से बिलासपुर पैसेंजर ट्रेन रवाना हुई थी। आज इसी बसंत पंचमी के दिन रामभक्त अयोध्या के लिए रवाना हो रहे हैं। यह शुभ संयोग है। आज 1344 रामभक्त अयोध्या के लिए रवाना हुए हैं। वे भगवान श्रीराम का दर्शन करने जा रहे हैं। यह बहुत सौभाग्य की बात है। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने रामभक्तों को अयोध्या धाम के लिए आस्था ट्रेन से विदा करते वक्त कही। उन्होंने कहा कि हम कामना करते हैं कि रामभक्त रामलला का आशीर्वाद लेकर लौटें और छत्तीसगढ़ की खुशहाली का आशीर्वाद रामलला से लेकर लौटें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम विधानसभा के बाद मार्च महीने में पूरे मंत्रिमंडल के साथ रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। रायपुर रेलवे स्टेशन पर जैसे ही मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अयोध्या धाम की ओर जाने वाली आस्था ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। पूरा वातावरण जय श्रीराम के जयकार से गूंज गया। यह गूंज तब तक उठती रही जब तक कि ट्रेन की अंतिम बोगी विदा न हो गई। 1344 रामभक्त इस ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम में राम लला के दर्शन के लिए रवाना हुए।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

अवैध प्लाटिंग की शिकायतों पर होगी कार्रवाई

रायपुर। अभनपुर में अवैध प्लाटिंग की कुल 7 शिकायतें मिली है। यह जानकारी राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी। भाजपा सदस्य इंद्रकुमार साहू ने जानना चाहा कि अभनपुर विधानसभा में पिछले तीन साल में अवैध प्लाटिंग कितनी शिकायतें मिली है? इसके जवाब में राजस्व मंत्री ने बताया कि अभनपुर में जनवरी 2020 से दिसंबर 2023 के मध्य अवैध प्लाटिंग के कुल 7 शिकायतें मिली है। ये शिकायतें ग्राम पचेड़ा, खरखराडीह, गोबरा नवापारा, छांटा, उरला, बेलभांठा, और सुनौली से प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि अवैध प्लाटिंग के खिलाफ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 61 के प्रावधानों, और बने नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। अवैध प्लाटिंग के क्रय-विक्रय पर अंतरिम रोक लगाई गई है। अवैध प्लाटिंग को नियमित करने का विकल्प नहीं है। भाजपा सदस्य मोतीलाल साहू के सवाल के लिखित जवाब में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया कि रायपुर जिले में वर्ष 2023 में सरकारी जमीनों को अनाधिकृत रूप से कब्जा करने की कुल 330 शिकायतें प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि 82 प्रकरणों में सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है, और शेष प्रकरण न्यायालय में प्रक्रियाधीन है।

तेली समाज के प्रति राहुल खुलेआम अपनी नफरत प्रदर्शित कर रहे है, माफी मांगे

रायपुर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी जिस भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर चल रहे हैं, दरअसल

वह नफरत फैलाने वाला एक काफिला है। अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने अनेक बार समाज को तोडने, जाति-पंथ और सामाजिक सौहार्द में विष घोलने एवं पिछड़ा, गरीब, वंचित, शोषित वर्गों को नीचा दिखाया है। पिछड़ा वर्ग, विशेषकर तेली समाज के प्रति राहुल गांधी खुलेआम अपनी नफरत प्रदर्शित कर रहे हैं। राहुल गांधी द्वारा न्याय यात्रा के दौरान दिए गए आपत्तिजनक बयानों पर आज पूर्व विधानसभा अध्यक्ष वरिष्ठ विधायक धरमलाल कौशिक ने ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सबसे पहले सारे मोदी चोर कहकर तेली समाज का अपमान किया जिसके लिए उन्हें सजा भी हुई। फिर उन्होंने कहा कि मोदी समाज सामान्य वर्ग में आता है। मोदी को पिछड़ा वर्ग का मानने से इंकार करते हुए उन्हें सामान्य वर्ग का बताने के बाद अभी जो ताजा नफरती बयान राहुल गांधी ने दिया है, उसमें उन्होंने कहा है कि मोदी चाय बेचें, देश न बेचें। इससे पिछड़ा वर्ग, खासकर तेली समाज के प्रति राहुल गांधी की घृणा का परिचय मिलता है।

राजीव मितान क्लब भंग किया जाएगा, गड़बडियों की होगी जांच

रायपुर। प्रदेश के राजीव युवा मितान क्लब के गठन और खर्चों पर बुधवार को विधानसभा में जमकर शोर-शराबा हुआ। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि राजीव मितान क्लब का उद्देश्य खाओ-पियो और मौज करो रह गया था। इस पूरे मामले में बहस के बाद खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने घोषणा की कि राजीव मितान क्लब को भंग किया जाएगा। साथ ही अब तक के खर्चों की जांच कराई जाएगी। प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य श्रीमती सावित्री मनोज मंडावी के सवाल के जवाब में खेलमंत्री ने बताया कि प्रदेश में एक लाख राजीव मितान क्लब का गठन किया गया है। क्लब के जरिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन, खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, रामायण महोत्सव आदि गतिविधियां होती है। उन्होंने कहा कि करीब 132 करोड़ रूपए क्लब के लिए प्रावधान किए गए थे। खेलमंत्री ने बताया कि करीब 40 करोड़ रूपए बाकी है। एक पूरक सवाल के जवाब में खेलमंत्री ने बताया कि राजीव मितान क्लब का गठन रजिस्ट्रार फर्म्स एंड सोसायटी के मार्फत हुआ है, और इसमें खर्चों के ऑडिट का भी प्रावधान है। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, धर्मजीत सिंह, और भाजपा सदस्य राजेश मूणत ने भी राजीव मितान क्लब के गठन के औचित्य पर सवाल खड़े किए।

छग टीम को नेशनल गेम्स वेट पावर में 26 मेडल मिला

रायपुर। गोवा में 10 से 13 फरवरी को आयोजित नेशनल मास्टर वेटलिफ्टिंग और पावर लिफ्टिंग की प्रतियोगिता में छग की टीम को 26 मेडल मिला। छग वेट लिफ्टिंग एसोसिएशन एम के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार ने बताया की वेट

पावर की प्रतियोगिता में देश भर के 300 खिलाड़ी भाग लिए जिसमे पहले दिन वेट लिफ्टिंग हुआ जिसमे महिला वर्ग में 30+ आशा तिग्गा गोल्ड 50+संजीदा खातून गोल्ड 55+रब्बा साकिया गोल्ड 65+ सकुंतला सिंह गोल्ड पुरुष वर्ग वेट लिफ्टिंग में 30+ सितलेश पटेल गोल्ड 40+ नाहिद अख्तर गोल्ड 45+ प्रमोद तिवारी गोल्ड 55+ डीएसएन राव गोल्ड 60+ मानिक ताम्रकार गोल्ड 65+ मुन्नू स्वामी गोल्ड पावर लिफ्टिंग महिला वर्ग में 30+ आशा तिग्गा गोल्ड 50+संजीदा खातून गोल्ड 60+ कमला देवी मंगतानी गोल्ड 65+ सकुंतला सिंह गोल्ड पावर लिफ्टिंग पुरुष वर्ग में 30+ बेंटम वेट सितलेश पटेल गोल्ड हैवी वेट गुलरेज खान गोल्ड 35+ एवन कुमार पटेल गोल्ड 40+ भाग्यराज महंत 40+ हैवी वेट नाहिद अख्तर गोल्ड 45+ प्रमोद तिवारी ब्रॉन्ज मेडल 55+ डीएसएन राव गोल्ड 60+ बेंटम वेट लखपति सिंदूर गोल्ड 60+ हैवी वेट मानिक ताम्रकार गोल्ड 65+ मुन्नू स्वामी गोल्ड आदि ने छग को मेडल दिलाए।

57 लाख 19 हजार राशन कार्ड धारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 14 फरवरी की स्थिति में 57 लाख 19 हजार 495 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं। गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण 25 जनवरी से 15 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसारराशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। राशनकार्डधारी अपने मोबाईल में इस एप्प के जरिए नवीनीकरण के लिए इलेक्ट्रानिक आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे हितग्राही जिनके पास एन्ड्राईड मोबाईल नहीं है अथवा जहां पर मोबाईल कनेक्टिविटी नहीं है.

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन सड़क सुरक्षा परिदृश्य संबंधित समीक्षा बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ सड़क सुरक्षा में आदर्श राज्य बने

रायपुर। न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे, अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी की अध्यक्षता में तथा मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की मौजूदगी में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में सड़क सुरक्षा के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिदृश्य के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ में सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने छत्तीसगढ़ राज्य को सड़क सुरक्षा के मामले में आदर्श राज्य बनने की बात कही। देश में प्रतिदिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं को उन्होंने चिंताजनक बताया। उन्होंने अधिकारियों को सुगम यातायात प्रबंधन के संबंध में सभी जरूरी कार्य करने कहा है।

बैठक में न्यायमूर्ति श्री सप्रे ने देश में

प्रतिदिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मृत्यु पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं नहीं हो इसके लिए समुचित प्रयास किए जाने चाहिए। जापान, जर्मनी, चीन इत्यादि देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों में लाखों सड़क दुर्घटनाएं होने के बावजूद मरने वालों की संख्या बहुत कम होती है। इन देशों की सुगम यातायात प्रबंधन संबंधी अपनाये गये तरीकों का अनुशरण करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि कॉमन मेन की पीड़ा को हमें समझना होगा। जिस परिवार के सदस्य की मृत्यु सड़क दुर्घटना में होती है, इसकी पीड़ा को वही परिवार समझ सकता है। उन्होंने कहा कि ट्रक, बस, कार, बाईक, ई-रिक्शा के चालक यातायात के नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाएं। कभी भी तेज रफ्तार, शराब सेवन कर वाहन ना चलायें। उन्होंने बाईक चलाते समय हेलमेट एवं कार चलाते समय सीटबेल्ट लगाने पर जोर देते हुए इसे व्यवहार में भी अपनाने की बात कही। छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूली पाठ्यक्रम में सड़क सुरक्षा संबंधी पाठ्यक्रम को शामिल करने को एक अच्छा कदम बताया।

शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, पुलिस, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रदेश में सड़क सुरक्षा संबंधी किये जा रहे सुगम यातायात एवं जन-जागरूकता संबंधी संपादित कार्यो पर संतोष व्यक्त किया। सड़क सुरक्षा को लेकर प्रदेश में किये जा रहे उत्साहजनक कार्यो को सतत् रूप से जारी रखने तथा संबंधित विभागीय कार्यो को उच्च प्राथमिकता के साथ कराने पर बल दिया।

जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों के लिए नए सिरे से होगा टेंडर

रायपुर। जशपुर जिले में जल जीवन मिशन के अधूरे कार्यों को स्वीकारते हुए मंत्री ने नए सिरे से टेंडर करने की जानकारी दी। विधानसभा में भाजपा की गोमती साय ने अपने तारांकित प्रश्न में यह मुद्दा उठाया। गोमती ने कहा कि वर्ष 2020-21,21-22,22-23 जनवरी तक 754 गांवों में से मात्र 17 गांव में कार्य पूर्ण किए जा सके हैं। 727 अपूर्ण हैं। क्या कमेटी बनाकर जांच कराएंगे?

उप मुख्यमंत्री पीएचई अरूण साव ने कहा कि जशपुर हमारे लिए महत्वपूर्ण जिला है। यहां के 733 गावों में से 130 गावों में जेजेएम के कार्य 90 फीसदी, 113 में 80-90 फीसदी, 97 में 70 फीसदी, 166 में 50-70 फीसदी, 125 गांवों में 20 फीसदी काम हुए है। सभी जगह काम में तेजी आई है। धीमा काम करने वाली 23 एजेंसियों के अनुबंध निरस्त कर फिर से टेंडर किए जा रहे। सभी काम गंभीरता से लेकर पूरे किए जाएंगे। कमेटी बनाने का प्रश्न नहीं है। गोमती साय ने जशपुर जिले में पीएचई विभाग में स्वीकृति 17 अभियंता के पदों में से तीन ही पदस्थ होने और रिक्त पदों की पूर्ति की मांग की। मंत्री ने कहा कि पदों के पूर्ति के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। कांग्रेस की संगीता सिन्हा ने बालोद जिले में भी अपूर्ण कार्यों की शिकायत की। उन्होंने कहा कि क्या अपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने समय बढ़ाया गया है? मंत्री साव ने कहा कि बालोद में 77 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष भी जल्द हो जाएगा। संगीता ने बताया कि 214 में से 151 कार्य डेट बढ़ाने के बाद भी अधूरे हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.